दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः रविवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 236 • पृष्ठ 8 • दुमका, रविवार 27 अगस्त 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

चन्द्रयान की सफलता के बाद अब इसरो की निगाहें सूर्यमिशन पर

आदित्य-एल 1 तैयार, ISRO दो सितंबर को करेगा प्रक्षेपण

बेंगलुरु/एजेंसी।

चंद्र अभियान की सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन सूरज का अध्ययन करने के लिए संभवतः दो सितंबर को किए जाने वाले सूर्य मिशन के प्रक्षेपण की तैयारी कर रहा है।आदित्य-एल 1' अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परतों) के दूरस्थ अवलोकन और एल-1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा के यथास्थिति अवलोकन के लिए बनाया गया है। एल1 पृथ्वी से करीब 15 लाख किलोमीटर दूर है।

यह सूर्य के अवलोकन के लिए पहला समर्पित भारतीय अंतरिक्ष मिशन होगा,जिससे अंतरिक्ष एजेंसी इसरो द्वारा प्रक्षेपित किया जाएगा। आदित्य-एल1 मिशन का लक्ष्य एल-1 के चारों ओर की कक्षा से सूर्य का अध्ययन करना है। यह अंतरिक्ष यान सात पेलोड लेकर जाएगा जो अलग-अलग वेव बैंड में फोटोस्फेयर (प्रकाशमंडल),क्रोमोस्फेयर (सूर्य की दिखाई देने वाली सतह से ठीक ऊपरी सतह) और सूर्य की सबसे बाहरी परत (कोरोना) का निरीक्षण करने में मदद करेंगे। इसरो के एक अधिकारी ने कहा कि आदित्य-एल 1 राष्ट्रीय संस्थानों की साझेदारी वाला पूरी तरह से स्वदेशी प्रयास है। बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ पेलोड के निर्माण के लिए एक अग्रणी संस्थान है। जबकि इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स,पुणे ने मिशन के लिए सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजर पेलोड विकसित किया है।

आदित्य-एल1 अल्ट्रावॉयलेट पेलोड का उपयोग करके कोरोना और सौर क्रोमोस्फीयर की और एक्स-रे पेलोड का उपयोग करके फ्लेयर्स की निगरानी करके जानकारी प्रदान कर सकता है। पार्टिकल डिटेक्टर और मैग्नेटोमीटर पेलोड आवेशित कणों और एल-1 के चारों ओर बाहरी कक्षा तक पहुंचने वाले चुंबकीय क्षेत्र के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

इस अंतरिक्ष यान को बेंगलुरु स्थित यूआर राव सैटेलाइट सेंटर में तैयार किया गया है और दो सप्ताह पहले यह आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के इसरो के स्पेसपोर्ट पर पहुंचा है। इसरो के एक अधिकारी ने कहा, संभावना है कि प्रक्षेपण दो सितंबर को किया जाएगा। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के तहत एल1 के चारों ओर बाहरी कक्षा में स्थापित करने की योजना है। इसरो ने कहा कि एल1 बिंदु के आसपास बाहरी कक्षा में रखे गए उपग्रह से सूर्य को बिना किसी ग्रहण या प्रच्छादन (डू४'३३ङ्गल्ल) के लगातार देखने का बड़ा फायदा होता है। इसरो ने कहा कि इससे वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव को देखने का अधिक लाभ मिलेगा।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील दस्तावेज जब्त

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया गया है। बिहार के रहने वाले कथित पाकिस्तानी जासूस के पास से संवेदनशील दस्तावेज भी जब्त किए गए। जानकारी के मुताबिक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को उस व्यक्ति को हावड़ा स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया।अधिकारी ने बताया कि उसे देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक गतिविधियों में सीधे तौर पर शामिल पाया गया। घंटों पूछताछ के बाद उस व्यक्ति को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। उसके मोबाइल फोन में तस्वीरें, वीडियो और ऑनलाइन चैट के रूप में गुप्त जानकारी मिली थीं। उन्होंने बताया कि यह खुफिया जानकारी उसने पाकिस्तान के एक संदिग्ध खुफिया एजेंट को भेजी थीं। कोलकाता में एक कूरियर सेवा कंपनी में काम करने वाला आरोपी पहले दिल्ली में रहता था। उस व्यक्ति को आज शनिवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जवाहर प्वाइंट पर कोई आपत्ति नहीं लेकिन शिवशक्ति' पर कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका और ग्रीस के दौरे के बाद शनिवार सुबह कर्नाटक के बेंगलुरु पहुंचे। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने चंद्रमा मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने इसरो प्रमुख एस सोमनाथ के साथ बैठक की और मिशन की प्रक्रिया के बारे में जाना।इस दौरान वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अहम घोषणाएं भी की। प्रधानमंत्री ने कहा कि चांद की जिस सतह पर चंद्रयान 3 का विक्रम लैंडर उतरा है,उसका नाम अब शिव शक्ति होगा। प्रधानमंत्री मोदी के इसी घोषणा से कांग्रेस नेता राशिद अल्वी भड़क गए हैं। उन्होंने कहा कि हम उस लैंडिंग प्वाइंट के मालिक नहीं हैं जो नाम रख दें। राशिद अल्वी ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी को यह अधिकार किसने दिया कि वो चंद्रमा की सतह का नाम रखें? यह हास्यासपद है। इस नामकरण के पश्चात पूरा विश्व हम पर हंसेगा। चंद्रमा के उस जगह पर लैंडिंग हुई है यह बहुत अच्छी बात है तथा इस पर हमें गर्व है जिस पर किसी को शक नहीं होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐलान कहा-

चंद्रमा पर जहां हमारा लैंडर उतरा है, अब उस पॉइंट को 'शिव शक्ति' के नाम से जाना जाएगा

तथा- चंद्रमा पर चंद्रयान-2 ने जो पद चिह्न छोड़े हैं, उस जगह को 'तिरंगा' कहा जाएगा

बेंगलुरु/एजेंसी।

दो देशों की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह बंगलूरू पहुंचे। हवाईअड्डे के बाहर नागरिकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने जनता को संबोधित किया। संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने एक नया नारा दिया- 'जय विज्ञान-जय अनुसंधान'। पीएम मोदी ने बंगलूरू में रोड शो भी किया और लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगलूरू में चंद्रयान-3 मिशन में शामिल इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ और टीम के अन्य वैज्ञानिकों से मुलाकात की। पीएम मोदी ने 23 अगस्त को चंद्रमा पर चंद्रयान की सफल लैंडिंग के लिए पूरी टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने वैज्ञानिकों को संबोधित भी किया। इस दौरान वे भावुक भी हुए। वे अपनी खुशी के आंसू रोक नहीं पाए। उन्होंने कहा कि यह कोई छोटी सफलता नहीं है। हम वहां पहुंचे हैं, जहां कोई देश नहीं पहुंच पाया था। हमने वो किया,जो पहले कोई नहीं कर पाया था। ये आज का भारत है,निर्भीक भारत है। इस दौरान पीएम मोदी ने दो बड़े एलान भी किए। उन्होंने बताया कि चंद्रमा पर जहां हमारा लैंडर उतरा है, अब उस पॉइंट को 'शिव शक्ति' के नाम से जाना जाएगा। शिव में मानवता क कल्याण का संकल्प समाहित है। शक्ति से हमें उन संकल्प को पूरा करने का बल मिलता है। पीएम मोदी ने बताया कि चंद्रमा पर चंद्रयान-2 ने जो पद चिह्न छोड़े हैं, उस जगह को 'तिरंगा' कहा जाएगा।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

65,953.48+232.23 (0.35%)

निफ्टी

19,597.30+80.30 (0.41%)

तमिलनाडु में मदुरै रेलवे स्टेशन के समीप दर्दनाक हादसा,पर्यटक ट्रेन के कोच में आग लगने से आठ लोगों की मौत, 20 अन्य घायल

तमिलनाडु। तमिलनाडु के मदूरै में दर्दनाक हादसा हुआ है। मदुरै में ट्रेन के कोच में भीषण अगा लग गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। इस दौरान 20 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक आज शनिवार तड़के मदुरै रेलवे स्टेशन के पास बोडी लेन पर खड़ी एक पर्यटक ट्रेन में आग लग गई। कई रिपोटर्स में दावा किया जा रहा है कि कुछ यात्री गैस सिलेंडर लेकर पहुंचे थे। इस वजह से ट्रेन के कोच में आग लगी। देखते ही देखते आग विकराल होती चली गई।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संथाल परगना बिल्डर्स कंपनी पर एफआईआर दर्ज कर संपत्ति जब्त करे हेमंत सरकार: बाबूलाल मरांडी

प्रेसवार्ता से जनता को दिग्भ्रमित करना बंद करे झामुमो

हेमंत सोरेन परिवार ने पाप किया है जेल तो जाना ही पड़ेगा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर बड़ा हमला बोला। वे संकल्प यात्रा के क्रम में झारखंड की उपराजधानी दुमका की धरती से दुमका विधानसभा क्षेत्र की जनता को संबोधित कर रहे थे।तेज बारिश के बीच हजारों की संख्या में जनता जनसभा में उपस्थित थी। मरांडी का भव्य स्वागत किया गया।प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने झामुमो और हेमंत सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि संथाल परगना बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नाम पर ओछी राजनीति करना झामुमो बंद करे। कहा कि झामुमो को प्रेसवार्ता आयोजित करने की क्या जरूरत है,प्रेसवार्ता तो विपक्ष के लोग करते हैं। उनकी

तो सरकार है,पुलिस प्रशासन है वे सीधे कार्रवाई करें, एफआईआर करें और जिसने विधि विरुद्ध काम किया है, अपराध किया है उसकी संपत्ति जब्त करें। मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी है। और जब जब भाजपा की सरकार बनती है तो विकास की चर्चा होती है और जब झामुमो,कांग्रेस राजद की सरकार बनती है तो भ्रष्टाचार की चर्चा होती है।उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि वे बताएं साढ़े तीन वर्षों में उन्होंने राज्य में विकास का कौन सा कार्य किया है।कहा कि संथाल की धरती को भाजपा की सरकार ने विकास से जोड़ा। अटल ने संथाली भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल कराया,आदिवासी मंत्रालय बनाया,गांव को प्रधानमंत्री सड़क योजना से जोड़ा और आज नरेंद्र मोदी सरकार ने दुमका में मेडिकल कालेज दिया,देवघर में एम्स स्थापित किए,देवघर में हवाई अड्डा बनाया,दुमका, गोड्डा सभी को रेलवे लाइन से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि झारखंड में आज की भी विकास दिख रहा वह भाजपा सरकार की देन है। झामुमो ने तो अलग राज्य आंदोलन को भी बेचकर नरसिम्हा राव सरकार से पैसा ले लिया जिसके कारण शिबू सोरेन को तिहाड़ जेल भी जाना पड़ा।उन्होंने कहा कि झामुमो कांग्रेस राजद को राज्य के विकास से नही अपने परिवार के विकास की चिंता है।उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन परिवार खुद भ्रष्टाचार में डूबा है और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण भी दे रहा है। आलम यह है कि परिवार ने भ्रष्टाचार के क्षेत्र का भी बंटवारा कर लिया है। रेलवे साइडिंग भी अपने परिवार में सीता सोरेन,वसंत सोरेन के नाम से बांट लिए हैं।उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन को बताना चाहिए कि इतनी संपत्ति कहां से अर्जित की। ईडी पूछ रही तो साफ साफ बता दें,लेकिन ये भयभीत हैं,सुप्रीम कोर्ट जा रहे,महंगे वकील रख कर पैरवी करा रहे। लेकिन प्रधानमंत्री जी ने लाल किले से कहा है न खायेंगे, न खाने देंगे।उन्होंने कहा कि आज राज्य में अपराधी ,भ्रष्टाचारी बेलगाम हैं,बिना पैसे का कोई काम नही होता। यहां तो मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने केलिए भी पैसे देने पड़ते हैं । मोदी सरकार द्वारा गरीबों केलिए भेजे गए अनाज की भी काला बाजारी हो रही।मुख्यमंत्री के क्षेत्र में गरीबों के अनाज की लूट हुई।कहा कि राज्य में हत्या,लूट,बलात्कार चरम पर है और पुलिस वसूली में लगी है।कहा कि हेमंत सरकार में अपराधियों,भ्रष्टाचारियों की हिम्मत बढ़ गई है। कहा कि आज अपराधियों पर मुकदमे नही होते बल्कि अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने वालों पर मुकदमे दर्ज होते हैं।उन्होंने कहा राज्य से हेमंत सरकार को हटाए बिना विकास संभव नहीं। उन्होंने जनता से राज्य के सर्वांगीण विकास केलिए,भय,भूख भ्रष्टाचार मुक्त देश और प्रदेश केलिए भाजपा को समर्थन देने , जीताने का आ''ान किया।उन्होंने कहा कि यह संकल्प यात्रा राज्य में गरीब कल्याण,सुशासन और विकास को स्थापित करने केलिए है।उन्होंने 2024में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनाने और राज्य में भाजपा की सरकार बनाने केलिए संकल्पित होने का आ''ान किया। सभा में प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा,सांसद सुनील सोरेन,पूर्व मंत्री डा लुईस मरांडी,जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन,निवास मंडल,सत्येंद्र सिंह सुरेश मुर्मू ,पिंटू अग्रवाल ,जिला महामंत्री विवेका नन्द राय, दीपक स्वर्णकार दुमका विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष जिला परिषद के सदस्य गण आदि उपस्थित थे ।

संक्षिप्त समाचार

शिव भक्त नितिन मुकेश बैरा 12 ज्योतिर्लिंग और चारो धाम की यात्रा करेंगे साइकिल से

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका जिला का अनोखा शिव भक्त दुमका जिला के दुधानी पंचायत के रहने वाले नितिन मुकेश बैरा की अनोखी शिव भक्ति इन्होंने प्रण लिया है की इनके द्वारा 12 ज्योतिर्लिंग और चारो धाम की यात्रा साइकिल से करेंगे इनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य है की संसार मे सुख शांति और अमन चैन रहे। नितिन इस यात्रा को लेकर काफी गंभीर और खुश है चारों धाम यात्रा के लिए नितिन पिछले एक महीने से लगातार मेहनत कर रहे हैं कुछ कुछ चंदा भी इकट्ठा कर रहे हैं जिससे उनकी यात्रा में पैसे क्यों लेकर कोई बाधा उत्पन्न ना हो हम सब दुमका जिला वासी को नितिन मुकेश बैरा को मदद करना चाहिए ताकि ये अपना साइकिल यात्रा पूर्ण कर सके जो भी भाई बहन नितिन जी का मदद करना चाहते है वो इनके पेटीएम नंबर 9123201235 पर जो आपलोगो से संभव हो मदद कीजिए और करवा सकते हैं।

प्रखण्ड स्तर से पांच टीम गठित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। नगर परिषद क्षेत्र में विगत चुनाव में मतदान प्रतिशत कम होने के कारण जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त, दुमका के निदेशानुसार हाउस टू हाउस सर्वे कार्य का सत्यापन सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह- प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका द्वारा कराया जा रहा है। इसके लिए प्रखण्ड स्तर से पांच टीम गठित किया गया है। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह- प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका द्वारा मतदान केन्द्र संख्या - 43 के 50 घरो का सत्यापन किया गया। घरों में निवास करने वाले मतदाताओं से बातचीत कर हाउस टू हाउस सर्वे कार्य का जानकारी लिया गया तथा आगामी चुनाव में मतदान करने का भी अनुरोध किया गया । इसी प्रकार प्रखण्ड द्वारा गठित अन्य टीम के द्वारा मतदान केन्द्र संख्या - 04, 11, 21 और 28 के 50-50 घरों का सत्यापन किया गया है। जिसमें यह पाया गया कि बी०एल०ओ० के द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से सम्पर्क स्थापित किया गया है । सत्यापन का कार्य अगले तीन दिनों तक किया जायेगा ।

14 नवंबर को होगा गांधी मैदान दुमका में विशाल जनसभा का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा संथाल परगना के द्वारा शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष माधव चंद्र महतो ने बारिश और खेती का दिन होने के बावजूद कार्यक्रम स्थल इनडोर स्टेडियम पहुंचे हजारों समर्थकों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आंदोलन का धार गांव-गांव तक पहुंच चुका है। कार्यक्रम में उत्पन्न व्यवधान पर खेद प्रकट किया गया। ऐसे व्यवधान से पिछड़ा आंदोलन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आगामी 14 नवंबर को गांधी मैदान दुमका में विशाल जनसभा का आयोजन कर अपनी चट्टानी एकता का परिचय देते हुए पूरे मैदान को अपने समर्थकों से भरकर पिछड़ा वर्ग के आंदोलन को और धारदार बनाया जाएगा।उन्होंने अपने राजनीतिक एजेंडे की घोषणा किया जिसमें जातिगत जनगणना करा कर पिछड़ी जातियों को

आबादी के अनुरुप आरक्षण लागू किया जाए। मण्डल कमीशन के सभी सिफारिशों को अक्षरशः लागू किया जाय। न्यायाधिशों की नियुक्ति में कोलेजियम सिस्टम को समाप्त किया जाए। 1932 के खतियान को आधार मान कर स्थानीय नियोजन नीति लागू किया जाए। 60:40 की नियोजन निति को अविलंब रद्द कर ही नियुक्ति प्रक्रिया प्रारम्भ किया जाए।

फूट डालो राज करो की नीति पर आधारित रोहिणी आयोग की अनुशंसा रद्द किया जाए। राज्य स्तर पर पिछड़े वर्ग के छात्र - छात्राओं के लिए छात्रावास की व्यवस्था किया जाय। वी०पी० मण्डल और सावित्रि बाई फूले के नाम पर सभी प्रखण्डों में छात्र - छात्राओं के लिए निःशुष्क आवासीय विद्यालय खोला जाए। पंचायत को ईकाई मानकर अनुसूचित क्षेत्रों का निर्धारण कराते हुए सभी एकल पदों का आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। ताकि पिछड़ी जातियों को भी मुखिया प्रमुख एवं जिला परिषद में 'अध्यक्ष बनने का मौका मिले।नगर निगम एवं नगर परिषद चुनाव के लिए कोर्ट के द्वारा निर्देशित ट्रिपल टेस्ट करने के लिए सरकार को आयोग के गठन के लिए पिछले जाति से जज नहीं मिलने पर खेद प्रकट करते हुए कहां की जब तक कॉलेजियम सिस्टम समाप्त कर न्यायिक बोर्ड का गठन कर जजों की नियुक्ति किया जाए।उन्होंने आगे कहा कि पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा बिल्कुल सामाजिक संगठन है इसमें किसी भी राजनीतिक दल के हस्तक्षेप को कालांतर में किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष असीम मंडल, महासम्मेलन के संयोजक सह जिला परिषद उपाध्यक्ष सुधीर मंडल, उपाध्यक्ष जयकांत जायसवाल, प्रधान महासचिव डॉ अमरेन्द्र यादव, बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष शिवनारायण दर्वे, जिला के प्रधान महासचिव जयकांत जायसवाल, अजित मांझी, रमेश साह, पवित्र मंडल सहित मोर्चा के कई लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया राजनैतिक दल के प्रतिनिधि के साथ बैठक

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त ए दोड्डे की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के संबंध में समाहरणालय सभागार में राजनैतिक दल के प्रतिनिधि के साथ बैठक आयोजित की गई।

उक्त बैठक में आगामी लोकसभा 2024 एवं एसएसआर- 2024 के आलोक में जर्जर भवन/ध्वस्त भवन को बदलने हेतु जिला स्तर पर राजनैतिक दलों की सहमति एवं अन्य बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें 10 दुमका (अ.ज.जा)के -12 मतदान केंद्र, 11 जामा (अ.ज.जा) के 2 मतदान केन्द्र तथा 12- जरमुंडी के 4 मतदान केंद्र के भवन जर्जर/ध्वस्त होने के कारण बदलने के प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त बैठक में उपस्थित सभी लोगों को हाउस टू हाउस सर्वे कार्यों में बारे में अवगत कराते हुए उक्त कार्यों में अपेक्षित सहयोग हेतु अनुरोध किया गया। उपस्थित सभी राजनीतिक दलों द्वारा इस कार्य में सहयोग हेतु आश्वासन दिया है।

उपायुक्त ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि मतदान केंद्र पर बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति वह अपने स्तर से सुनिश्चित करें। ताकि मतदाता सूची में त्रुटि ना हो। साथ ही उपायुक्त द्वारा यह भी जानकारी दिया गया कि जिनकी उम्र 18 वर्ष पूर्ण होने वाले है वैसे सभी नागरिकों का प्रपत्र - 6 के माध्यम से नाम दर्ज करने, किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए प्रपत्र- 8 भरने तथा मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए प्रपत्र - 7 का प्रयोग होता है।

बैठक में अपर समाहर्ता राजीव कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी अशोक दास, निर्वाचन विभाग के कर्मी एवं अन्य उपस्थित थे।

दो चुनाव में 1 से 45 मतदान केन्द्रों में मतदान प्रतिशत काफी कम रहा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि विगत दो चुनाव में दुमका विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत नगर परिषद क्षेत्र के 01 से 45 मतदान केन्द्रों में मतदान प्रतिशत काफी कम रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी झारखण्ड रांची के

निदेशानुसार मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य 2024 के तहत हाउस टू हाउस सर्वे 21 जुलाई से 21 अगस्त 2023 तक कार्य बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षक द्वारा किया गया है । मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, त्रुटि सुधार करने, फोटो बदलने आदि का कार्य चल रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त, दुमका के निदेशानुसार दिनांक 27.08.2023 को रेड क्रॉस सोसाइटी के भवन में एक विशेष कैम्प लगाया जा रहा है । इसके लिए नगर क्षेत्र में मार्किंग भी कराया जा रहा है, ताकि छुटे हुए अधिक से अधिक लोग यहाँ पर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते है, त्रुटि सुधार कर सकते है या फोटो आदि वगैरह भी बदल सकते है ।

9 सितंबर के बाद बिना पंजीयन के चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने पर 5 लाख तक लग सकता है अर्थ दंडः डीसी

जिले में चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने वाले निजी संस्थाओं को 9 सितम्बर 2023 तक करना होगा पंजीयन

पाकुड़/झारखंड देखो।

डीसी मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने कहा कि जिले में चलने वाले सभी अस्पताल, क्लिनिक, नर्सिंग होम, पैथोलॉजी, आयुष, एक्सरे स्कैन सेंटर आदि के संचालन के लिए पंजीयन करना अनिवार्य है। बिना पंजीयन के संचालन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा जिले में संचालित सभी अस्पताल, क्लिनिक, नर्सिंग होम, पैथोलॉजी, आयुष, एक्सरे स्कैन सेंटर क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 के तहत हर हाल में 9 सितंबर 2023 तक पंजीयन के लिए आवेदन करें। उपायुक्त ने बताया की पंजीयन के लिए आवेदन ऑनलाइन माध्यम से करेंगे। साथ ही उसकी एक प्रति सिविल सर्जन कार्यालय में समर्पित करेंगे। पंजीयन के लिए आधिकारिक वेबसाइट http://www.clinicalestablishments.gov.in जाकर अपना आवेदन कर सकते है। उपायुक्त ने कहा कि 9 सितंबर के बाद बिना पंजीकरण के संचालन करते पाए जाने पर क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अपंजीकृत निजी संस्थान के द्वारा चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराए जाने पर धारा 41(1) के तहत अर्थ दंड का प्रावधान है। अपंजीकृत निजी संस्थान से प्रथम बार पकड़े जाने पर 50 हजार रूपए तक जुर्माना के रूप वसूला जा सकता है। इसके अलावा द्वितीय बार पकड़े जाने पर 2 लाख रुपए तक वसूलने का प्रावधान है। इसके अलावा बाद में भी संस्थान की स्थिति में सुधार नहीं होने पर 5 लाख रुपए तक अर्थदंड वसूला जाएगा।

- उपायुक्त ने कहा जिले में नहीं होने दिया जाएगा नियम विरुद्ध कार्य
- अपंजीकृत व मानक पूरे ना करने वाला अस्पताल होंगे सील, संचालकों पर होगी कड़ी कार्रवाई

चिकित्सक का नाम व योग्यता के साथ-साथ सेवाओं के शुल्क का विवरण देना होगा अनिवार्य

» उपायुक्त के कहा कि सभी अस्पताल, क्लिनिक, नर्सिंग होम, पैथोलॉजी, आयुष, एक्सरे स्कैन सेंटर आदि के पूछताछ केंद्रों के समीप चिकित्सक का नाम, उनकी योग्यता, मेडिकल काउंसिल रजिस्ट्रेशन एवम प्रदत सेवाओं के शुल्क का विवरण हिंदी व अंग्रेजी में प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा ऐसा नहीं करने पर संबंधित संबंधित संस्थान पर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने उक्त सभी नियम व अधिनियम का पालन कराने के लिए सिविल सर्जन को निर्देशित किया है। उपायुक्त ने निर्देश देते हुए कहा है कि सभी सीएचसी प्रभारियों को उनके क्षेत्र में संचालित चिकित्सा संबंधित निजी संस्थानों का ब्योरा मांगा जाए। उपायुक्त ने कहा कि जिले में किसी भी हाल में नियम विरुद्ध कार्य होने नहीं दिया जाएगा। बिना पंजीकरण व मानक पूरे ना करने वाला अस्पतालों को सील करने के साथ उनके संचालक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बाजार में चावल की मूल्य में आई तेजी, गरीब परेशान

नेटवर्क की अभाव में राशन वितरण भी रहता है बाधित

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो।

बाजार में चावल की मूल्य में भारी तेजी आने से गरीब तबके के लोगों पर भारी आफत आ पड़ी है। वही नेटवर्क की समस्या के कारण जन वितरण दुकानों में भी राशन वितरण कार्य मे भी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। जिस कारण गरीब तबके के लोगो को बाजार से चावल खरीदना मजबूरी बन गया है।आदिवासी बाहुल्य इस प्रखंड में बीते वर्ष बारिश न होने से कृषकों ने धान रोपाई नही कर पाया था। जिस कारण कृषकों को काफी नुकसान सहना पड़ा था। इस वर्ष अच्छी बारिश होने से कृषकों ने धान रोपाई को लेकर अपने अपने घरों की जमा पूंजी खेती में लगा दिया है। इस वर्ष

फसल भी अच्छी रहने की अंदेशा है।उधर जनवितरण दुकानों से मिल रहे राशन से प्रखंड के अधिकांश लाभुक आश्रित है , पर अगस्त माह की राशन वितरण में असर पड़ने के कारण राशनकार्ड धारकों में हाहाकार मच गया। आमलोगों के पास चावल की कमी दिखाई पड़ने लगी। क्योंकि जन वितरण की राशन ही एकमात्र सहारा बना हुआ है। वितरण कार्य मे व्यवधान पड़ने से बाजार में चावल की मूल्य में तेजी आ गई। जहां स्वर्णा सहित अन्य मोटा चावल 3200 से 3500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बाजार में बिकता था। वही अभी 4000 रुपये क्विंटल तक पहुंच चुका है। उधर बंगाल से आ रहे चावल की दर 6500 रुपये प्रति क्विंटल है। जो बाजार दर पूर्व की भांति यथावत है। ऐसी स्थिति प्रखंड के सभी बाजारों में है। दुकानदारों ने बताया कि जन वितरण दुकानों में चावल वितरण बन्द रहने से बाजार में चावल की मूल्य में तेजी आ गया था , पर धीरे -धीरे दर में गिरावट आ रही है। जन वितरण व्यवस्था दुरुस्त रहने से आम परिवारों को किसी प्रकार की दिक्कतें नही आएगी। आपूर्ति विभाग को चाहिए कि राशन वितरण की प्रक्रिया को चुस्त दुरुस्त रखा जाय , वही इसकी नियमित अनुश्रवण भी हो। इस सम्बंध में बीडीओ उमेश कुमार स्वांसी ने बताया जन वितरण व्यवस्था को जल्द ही दुरुस्त कर दिया जाएगा।

डी ए वी विद्यालय में दो दिवसीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो। शनिवार को डी ए वी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में झारखंड सहोदया महासंघ, धनबाद के तत्वाधान में सत्र 2023-24 हेतु एक दो दिवसीय एकीकृत ऑफ लाइन शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सी बी एस ई से अंगीभूत पाकुड़ जिले के प्राचार्य एवं लगभग 150 शिक्षक गणों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के सभा भवन में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पाकुड़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल, प्राचार्य डीएवी पाकुड़ डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती, प्राचार्य डी पी एस पाकुड़ जे के शर्मा, प्राचार्य डी ए वी महेशपुर एस एन सिंह, प्राचार्या एलीट पब्लिक स्कूल, अनुपमा साहा एवं अन्य वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री अजीत कुमार विमल ने बताया कि हमारे देश का भविष्य उनलोगो के हाथ में है जो हमारे बच्चों को कक्षाओं में पढ़ाते हैं। आज इन्ही शिक्षकों के पढ़ाए हुए वैज्ञानिकों ने अटूट मेहनत कर चंद्रयान 3 का चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग करा इतिहास रचा एवं भारत का नाम दुनिया में रौशन किया। उन्होंने आगे बताया कि गुरु वह व्यक्ति होता है जो विशिष्ट प्रकार का ज्ञान सिखाता है। उन्होंने सी बी एस ई ने नई शिक्षा नीति के तहत जो मापदंड तय किया है उसके अनुरूप ही शिक्षण व्यवस्था को दुरुस्त करने की सलाह दी। विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने सभी शिक्षकों एवं प्रचार्यगणों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम शुरुआत करने की घोषणा की। सी बी एस ई एवं डी ए वी सी ए ई से प्रशिक्षित शिक्षक अमित कुमार एवं अनिंदिता तिवारी ने क्रिया कलाप से अपने अनुभवों को शिक्षकों के समक्ष साझा किया।

जिला के सभी योग्य किसानों को मिले किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ

पाकुड़/झारखंड देखो। शनिवार को प्रखंड सभागार हिरणपुर में जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी हिरणपुर, उमेश कुमार सवांसी के अध्यक्षता में किसान क्रेडिट कार्ड, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें हिरणपुर प्रखंड के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, सभी जनसेवक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं किसान मित्र ने भाग लिया। समीक्षा के क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जनसेवक को किसान क्रेडिट कार्ड का आवेदन भरना प्रमुख काम है एवं लापरवाही बरतने वाले जनसेवक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा आवेदन भरने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं निर्देश दिया गया कि आवेदन भरने में

कोई गलती ना हो ताकि बैंक से कोई आवेदन वापस ना आये। जिनका उम्र ज्यादा है जिनको केसीसी नहीं चाहिए उसका भी डेटाबेस बनाएं। आवेदन पूर्ण रूप से भरा हुआ होना चाहिए एवं आवेदन के साथ सत्यापित पहचान पत्र यथा आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, जमीन की अद्यतन रसीद, मुखिया द्वारा निर्मित तथा प्रखंड कृषि पदाधिकारी, जनसेवक, सहायक तकनीकी प्रबंधक से सत्यापित वंशावली, फोटोग्राफ , सत्यापित बैंक पासबुक की छायाप्रति एवं किसानों का स्वघोषणा पत्र लगाना अनिवार्य है। पीएम किसान की सूची में किसान दर्ज हैं या नहीं एवं मोबाइल नंबर का देना अनिवार्य है। सभी जनसेवक को एवं किसान मित्र को अभियान चला कर केसीसी आवेदन भरने का निर्देश दिया गया एवं पूर्व में बैंक से वापस किए गए आवेदन को त्रुटि सुधार कर पुन बैंक में जमा करने का निर्देश दिया गया। पीएम किसान के सभी लाभुक का ई-केवाईसी, लैंडसीडिंग, आधार सीडिग कराने का भी निदेश दिया गया। इस अवसर पर आत्मा के उप परियोजना निदेशक अरविंद कुमार राय, चितरंजन कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

पाकुड़ डीसी की बनाई फेक व्हाट्सएप आईडी

पाकुड़/झारखंड देखो। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के नाम पर तस्वीर वाली फेक व्हाट्सएप आईडी बनाकर जिले के अन्य अधिकारियों से राशि की मांग करने का मामला प्रकाश में आया है। अपराधियों द्वारा उपायुक्त की आइडी से जिले के अधिकारियों से उपहार भी मांगे

जा रहे हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। साइबर अपराधियों द्वारा जिले के कई अन्य गणमान्य लोगों से भी संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। इन तमाम बातों की पुष्टि आधिकारिक रूप से उपायुक्त कार्यालय से की गयी है। फेक व्हाट्सएप आईडी का नंबर 8908296741 है और इसी नंबर से साइबर अपराधियों द्वारा अधिकारीयों या अन्य लोगों से संपर्क किया जा रहा हैं। इस संबंध में जिला उपायुक्त ने अपने अधिकारियों, शुभचिंतकों व आमजनों से अपील की है कि अगर इस व्हाट्सएप नंबर या किसी भी अन्य नंबर व अन्य किसी भी अनाधिकृत सोशल मीडिया के माध्यम द्वारा आपसे संपर्क किया जाता है, तो उनके झांसे में न आए और किसी भी प्रकार की कोई भी वार्तालाप न करें। इससे आपको वित्तीय जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा इस मामले की विधिवत सूचना पुलिस अधीक्षक, पाकुड़ को उपलब्ध करवाई गई है। पुलिस भी इस मामले की जांच में जुट गई है।

बाल अधिकार आधारित पत्रकारों के साथ संवेदिकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया

पाकुड़/झारखंड देखो। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड सभागार में शनिवार को झारखंड विकास परिषद द्वारा सुरक्षित बचपन के लिए दामिन पहल परियोजना के तहत विषय-बच्चों से सम्बंधित मुद्दों का अधिकार आधारित रिपोर्टिंग पर पत्रकारों के साथ संवेदिकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी, परियोजना समन्वयक मनोरंजन सिंह एवं पत्रकारों द्वारा संयुक्त तत्वाधान में किया गया. कार्यशाला में परियोजना समन्वयक ने कहा की बाल संरक्षण को लेकर मीडिया एक अहम भूमिका निभाती है बाल संरक्षण को सुनिश्चित करने में. इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा की बच्चों को सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार है और हमलोगों को यह सुनिश्चित करना होगा की उनके अधिकारो का हनन ना हो. इसके लिए उक्त बातों पर ध्यान देना होंगी. ज़ब भी हम रिपोर्टिंग कर रहे होंगे तो उसमे बच्चों का नाम, जाती, पता आदि उजागर नहीं करना है जिससे बच्चों पर नारात्मक प्रभाव पड़े. बच्चों के स्वास्थय और उनकी सुरक्षा पर पूरा झ पूरा ध्यान देते हुए उन्हें घर पर अथवा समाज में उपेक्षा, शोषण, दुर्व्यवहार, हिंसा अथवा किसी भी अन्य जोखिम से सुरक्षित रखना। बाल संरक्षण में बच्चे को उस स्थिति में सहायता और पुनर्वास प्रदान करना भी शामिल है, जब वह किसी असुरक्षित स्थिति का शिकार बन गया हो। यदि हम अपने बच्चों का संरक्षण नहीं करेंगे, तो उन्हें मृत्यु, स्थायी विकलांगता, खराब शारीरिक और मानसिक स्वास्थय, शिक्षण संबंधी समस्याएँ, विस्थापन और घरों के विलग होने जैसे जोखिमों का सामना करना पड़ेगा। इस मौके पर पत्रकार संतोष गुप्ता, विनोद दास, श्रीराम भगत, कमलकांत पांडे, अमर कुमार, आकाश भगत, सौरभ कुमार, विक्की सान्याल, मो. सलाम , राहुल कुमार मौजूद थे. इस कार्यक्रम का सफल संचालन में संस्था के अजय मुर्मू के द्वारा किया गया.

डीसी ने मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा

पाकुड़/झारखंड देखो।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने शनिवार को फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा की। पुनरीक्षण संबंधी सभी कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ उपायुक्त ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उपायुक्त ने बैठक में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2024 के तहत हो रहे घर-घर सत्यापन का कार्य, बीएलओ रजिस्टर, करेक्शन

स्लिप एवं डेथ केस,पुअर इमेज, ब्लैक एंड व्हाइट फोटो, रजिस्टर के माध्यम से मतदाताओं की विवरणी को शुद्धिकरण, पन्ना वेरिफिकेशन आदि कार्यो की समीक्षा की। उपायुक्त ने फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के कार्यो को ईआरओ जिम्मेवारी पूर्वक एवं तत्परता के साथ कर्तव्य निर्वहन करने का निदेश दिया। उन्होंने सभी ईआरओ, एईआरओ को तीन दिनों के अंदर सभी कार्यों को शत प्रतिशत को पूरा करने का निर्देश दिया। विदित हो कि मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2024 कार्यक्रम के तहत सभी बीएलओ के द्वारा घर-घर सत्यापन का कार्य 21 जुलाई से 21 अगस्त तक, बीएलओ रजिस्टर के माध्यम से किया गया है। बीएलओ के द्वारा सत्यापन के क्रम में सभी घरों पर विभाग स्तर से प्राप्त बीएलओ स्टीकर को चिपकाते हुए भ्रमण की दो तिथियां अंकित करना है। इसके साथ ही जिला स्तर से उपलब्ध कराए गए करेक्शन स्लिप एवं रजिस्टर के माध्यम से मतदाताओं की विवरणी को शुद्ध करने का कार्य किया गया है। बीएलओ के माध्यम से संपादित कार्यों के पर्यवेक्षण एवं जांच हेतु विभाग स्तर से प्राप्त निदेशानुसार सभी पर्यवेक्षक, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के स्तर से मतदान केंद्रों में पन्ना वेरिफिकेशन एवं होम टू होम वेरिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह-उपायुक्त ने मतदाता पुनरीक्षण संबंधित गतिविधियों में प्रगति लाने का सख्त निदेश दिया है। बैठक के दौरान समाहरणालय से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के अलावा अपर समाहर्ता श्रीमती मंजू रानी स्वांसी, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित उपस्थित थे। वहीं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

संक्षिप्त समाचार

एमडीएम का चावल चोरी में दोषी पाए गए प्रधानाध्यापक डीसी के आदेश पर किए गए निलंबित

- निलंबन अवधि में महेशपुर शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय बना मुख्यालय

पाकुड़/झारखंड देखो। छात्र के सहारे चावल चोरी मैं दोषी पाए गए प्रभारी प्रधानाध्यापक को उपायुक्त के आदेश पर जिला शिक्षा अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित कर दिया है। जिला शिक्षा अधीक्षक मुकुल राज ने इस बाबत शनिवार को आदेश जारी कर निलंबित प्रभारी प्रधानाध्यापक ललित मंडल को निलंबन अवधि में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी महेशपुर के कार्यालय में योगदान करने को कहा है। जारी आदेश में कहा गया है कि दूरभाष पर मिली सूचना पर जब रामचंद्रपुर विद्यालय पहुंचकर जांच किया तो वहां ग्रामीणों ने छात्र के माध्यम से एमडीएम का अनाज ले जा रहे हैं छात्र को पकड़ा और उसे विद्यालय में रखा गया था। जांच के दौरान अभी पाया गया कि प्रधानाध्यापक छात्र का सहारा लेकर अनाज की चोरी किया करते हैं। उक्त आलोक में डीसी के आदेश पर जिला शिक्षा अधीक्षक ने प्रभारी प्रधानाध्यापक ललित मंडल को निलंबित करते हुए उन्हें मैं स्कूल में योगदान करने को कहा गया है।

डीसी के निर्देश पर मध्यान भोजन के चावल में हेरा फेरी करने वाले प्रभारी प्रधानाध्यापक हुए निलंबित

- उपायुक्त ने कहा मध्यान भोजन योजना में लापरवाही व कोताही बरतने वाले हर हाल में नपेंगे

पाकुड़/झारखंड देखो। मध्यान भोजन के चावल के हेरा फेरी मामले में उत्क्रमित उच्च विद्यालय रामचंद्रपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक ललित कुमार मंडल को उपायुक्त श्री मृत्युंजय कुमार बरणवाल के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधीक्षक श्री मुकुल राज ने बताया कि 24/08/2023 को दूरभाष पर सूचना मिली कि छात्र के माध्यम से मध्यान भोजन का चावल चोरी करने का प्रयास प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों के पास सूचना के आधार पर स्थलीय जांच किया गया। जांच के क्रम में पाया गया की छात्र के माध्यम से उत्क्रमित उच्च विद्यालय रामचंद्रपुर के प्रभारी प्रधान अध्यापक श्री ललित कुमार मंडल के द्वारा चावल चोरी की गई है। जांच के क्रम में यह भी पाया गया कि दिनांक 21/08/2023 से 23/08/2023 तक विद्यालय में मध्यान भोजन संचालित किए बिना उक्त अवधि का २२ पोर्टल में विभाग को गुमराह कर मिथ्या प्रतिवेदन समर्पित किया गया है। जिला शिक्षा अधीक्षक ने बताया कि विद्यालय संचालन में कोताही बरतने का आरोप प्रथम दृष्टि में सही पाया गया है। जांच के बाद उपायुक्त ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय रामचंद्रपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री ललित कुमार मंडल को निलंबित करने का आदेश जारी किया है। साथ ही निलंबन अवधि में श्री मंडल मुख्यालय प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी महेशपुर-1 निर्धारित किया गया है। निर्धारित मुख्यालय में योगदान के पश्चात नियमानुसार उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा । उपायुक्त ने कहा कि किसी भी हाल में इस तरह के कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मध्याह्न भोजन योजना में किसी भी प्रकार की कोताही अथवा लापरवाही अक्षम्य होगी। मध्याह्न भोजन योजना लापरवाही व कोताही बरतने वाले हर हाल में नपेंगे।

सोना जोड़ी लैंप्स खाताधारी के म्युचुअल राशि भुगतान की मांग को ले डीसी से मिला मोर्चा

पाकुड़/झारखंड देखो। जन संघर्ष मोर्चा जिला पाकुड़ का एक प्रतिनिधिमंडल मोर्चा के संयोजक हिसाबी राय के नेतृत्व में उपायुक्त कक्ष में उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरनवाल से मिलकर एक स्मार पत्र सौंपा एवं पुनः उपायुक्त महोदय से पाकुड़ एवं सोनाजोड़ी लैम्पस से संबंधित परिपक्वता की राशि के भुगतान मांग को दोहराया। प्रतिनिधि मंडल में मोर्चा के संरक्षक एवं वरिष्ठ नेता अनुग्राहित प्रसाद साह,सह संयोजक कयूम अंसारी,अनिकेत गोस्वामी,मनोवर आलम,बहादुर मंडल मौजूद थे। ज्ञातव्य हो कि दिनांक 30 मई 2023 को गृहलक्ष्मी जमा वृद्धि योजना सैकड़ों खाताधारी पदयात्रा करते हुए तत्कालीन उपायुक्त श्री वरुण रंजन से मिलकर अपने जमा राशि के शीघ्र भुगतान की मांग रखा था,लेकिन अभी तक खाताधारियों को भुगतान नहीं हो पाया है।आज पुनः जन संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल नवनियुक्त उपायुक्त से श्री मृत्युंजय कुमार बरनवाल से मिलकर शीघ्र भुगतान की मांग किया। मोर्चा के संरक्षक श्री साह ने उपायुक्त महोदय का गृहलक्ष्मी जमाबृद्धि योजना से संबंधित विषय की ओर ध्यान आकृष्ट कराया जिस पर उपायुक्त महोदय ने भुगतान की दिशा में शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया । विदित हो कि लगभग तीन हजार से अधिक खाताधारियों का राशि वर्ष 2018 से लंबित है। संबंधित सभी अधिकारियों से लगातार भुगतान आग्रह करने के बावजूद भुगतान नहीं हो रहा है।जिसके कारण गरीब एवं निम्न मध्यम वर्ग के व्यवसाय काफी परेशान है निराश होकर जन संघर्ष मोर्चा के बैनर तले अनवरत आंदोलन का मन बनाया है नवनियुक्त उपायुक्त महोदय ने इस विषय को काफी गंभीरतापूर्वक लेते पूर्वक लेते हुए शीघ्र भुगतान का आश्वासन दिया। उपायुक्त महोदय के साथ प्रतिनिधिमंडल के सार्थक वार्ता से खाताधारियों में उम्मीद जगी है। हमें पूर्ण विश्वास है कि उपायुक्त महोदय गरीबों के जमा राशि का भुगतान करने का कष्ट करेंगे।

बीडीओ ने किया मतदाता पुनरीक्षण सर्वे कार्य का समीक्षा

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड सभागार में आयोजित बैठक में शनिवार को बीडीओ उमेश कुमार स्वांसी ने मतदाता पुनरीक्षण को ले घर- घर किये गए सर्वे कार्य की समीक्षा किया। इस दौरान सभी बीएलओ उपस्थित थे। बैठक में सभी बीएलओ ने बारी-बारी से अपने बुथ का अद्यतन प्रगति से अवगत कराया। बीडीओ ने कहा कि घर-घर सर्वे को आनलाइन करना अति आवश्यक है, जिसे दो दिनों में शत-प्रतिशत करना है। यदि किसी बीएलओ को इंटरनेट संबंधित दिक्कत हो तो प्रखंड कार्यालय से प्रतिवेदन आनलाइन करेंगे। इसके अतिरिक्त श्याम-श्वेत व धुंधला फोटो को रंगीन फोटो में परिवर्तित प्रमुखता से करेंगे। सभी बीएलओ से एएमएफ अपडेट की जानकारी भी ली गई। सभी बीएलओ के द्वारा बताया गया कि उन्होंने एएमएफ को अपडेट कर दिया है ,साथ ही नाम जोड़ने, हटाने व सुधार करने के लिए मतदाताओं की विवरणी आनलाइन करने का निर्देश बीडीओ ने दिया। इस मौके पर पर्यवेक्षक सह बीपीआरओ रामकुमार साह, बीपीओ ट्विंकल चौधरी,कृषि पदाधिकारी सूर्या मालतो, रवि रंजन, कम्प्यूटर सहायक राहुल दत्ता व अन्य उपस्थित थे।

आयुक्त ने किया 14 वें जिला खेल उत्सव का आगाज

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। इंडोर स्टेडियम में स्व अशोक सिंह स्मृति जिला खेल महोत्सव का शुभारंभ आयुक्त के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर जिले भर के खिलाड़ियों की उपस्थिति में आयुक्त लालचंद दादेल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए संबोधित किया।उन्होंने कहा की खेल में अनुशासन और एकाग्रता का पाठ सिखाने का सामर्थ्य कहीं ज्यादा है। इस अवसर पर एसीएमओ डॉक्टर ए एम सोरेन, आयुक्त के सचिव जुगनू मिंज, पूनम सिंह,जिला खेलकूद संघ के सचिव उमाशंकर चौबे इत्यादि मंच पर उपस्थित थे और सभी ने उपस्थित छात्रों और खिलाड़ियों को संबोधित किया। इस वर्ष इंडोर स्टेडियम के प्रांगण में कुल 9 खेलो का आयोजन किया जा रहा है। जिला बैडमिंटन संघ के सचिव दीपक झा ने कहा की बैडमिंटन में 13 वर्ष 17 वर्ष एवं ओपन टूर्नामेंट खेले जा रहे हैं। वहीं कैरम की स्पर्धा भी जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित है और खिलाड़ियों खासकर बच्चों में खासा उत्साह है। शतरंज में बच्चो की सहभागिता उत्साहजनक है ,जिला सचिव घनशयाम साह ने तैयारिया पूरी कर इस वर्ष के आयोजन से कुछ नए प्रतिभा ढूंढने का आश्वासन दिया। टेबल टेनिस के आयोजन रविवार से आयोजित हैं और उद्घाटन सत्र में टेबल टेनिस की जिला समिति के साथ खिलाड़ी भी उपस्थित थे और आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहें है । मार्शल आर्ट्स में सचिव स्मिता आनंद के संचालन में ताइक्वांडो के बच्चो ने मुख्य अतिथि के सामने प्रदर्शन कर एक बानगी प्रस्तुत किया वहीं कराटे में भी खिलाड़ियों की एक बड़ी संख्या सहभागिता कर रही है। जयराम शर्मा एवं उदय शंकर भारती के नेतृत्व में कराटे का आयोजन किया जा रहा है। डेडलिफ्ट के प्लेटफार्म एवं बास्केटबॉल के ग्राउंड पर भी मुख्य अतिथियों ने जाकर प्लेऑफ द्वारा सांकेतिक रूप से प्रतिस्पर्धा का औपचारिक प्रारंभ घोषित किया।

जिला सचिव ने कहा की कुल मिलाकर इंडोर खेलो में जिले भर के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और सभी खेलो में खिलाड़ियों का उत्साह देखने योग्य है, एक बेहतरीन माहौल में खिलाड़ियों को सांसाधनिक एवं तकनीकी अवसर देने के लिय जिला खेलकूद संघ प्रयासरत है।

इस अवसर पर, डेडलिफ्ट एसोसिएशन से विमल भूषण गुहा, निरोज नाग, कैरम संघ के विकास चंद्र झा, अशेष लायक, दिनेश केशरी, प्रदीप झा ,शतरंज संघ के विकास वैद्य, हरिलाल प्रसाद, प्रेरणा भुवानिया टेबल टेनिस संघ के मनीष भारद्वाज, गौरव दारुका, ताइक्कांडो संघ से शिखा आनंद, तीरंदाजी संघ के बैद्यनाथ टुडू, जिला बैडमिंटन संघ के राधे भलोटिया, मो अकबर , आकाश मंडल, सोनाए, राहुल, सैकड़ों खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे। उक्त जानकारी अंजनी शरण ने दी।

संक्षिप्त समाचार

शराब की अवैध तस्करी मामले में पिकअप वैन के चालक पप्पू पासवान को भेजा गया जेल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शराब की अवैध तस्करी मामले में आज शनिवार को हंसडीहा पुलिस ने अवैध शराब के पकड़ाएं पिकअप वाहन के चालक पप्पू पासवान को जेल भेज दिया है.बताते चलें कि कल शुक्रवार को शराब के अवैध कारोबार पर हंसडीहा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की थी.थाना प्रभारी रोहित कुमार के नेतृत्व में हंसडीहा पुलिस ने तस्करी के लिए बिहार भेजी जा रही शराब की बड़ी खेप को जब्त किया था.हंसडीहा पुलिस को गुप्त सुचना मिली कि देवघर रोड से पिकअप वाहन संख्या बीआर10 जीबी/1036 में शराब की बड़ी खेप हंसडीहा की ओर आ रही है। सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना में प्रभारी रोहित कुमार हंसडीहा चौक पर पुलिस बल के साथ पिकअप वाहन को पकड़ने के लिए मौजूद रहे।

कुछ ही देर बाद एक पिकअप वैन को देवघर रोड से आता देख रुकने का इशारा किया गया।पिकअप को रोककर तलाशी ली गई तो पिकअप में 64 पेटी शराब पायी गई शराब की पेटी को छुपाने के लिए 25 पैकेट पशु आहार पेटी के ऊपर रखकर ऊपर से तिरपाल से ढक दिया गया था। मामले में पिकअप वाहन को शराब सहित जब्त करते हुए चालक पप्पू पासवान को गिरफ्तारी कर लिया गया था।मामले में पुलिस अवर निरीक्षक खुर्शीद आलम के लिखित बयान

वाहन चालक पप्पु पासवान,वाहन के मालिक के साथ अवध किशोर महतो एवं अन्य के विरुद्ध भादवि की धारा 414/34 एवं 47ए /52/55 झारखण्ड उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए वाहन चालक पप्पु पासवान को आज जेल भेज दिया गया,अन्य की तलाश में छापेमारी जारी है।

22 वर्षीय युवती ने गले मे फंदा लगाकर कर ली आत्महत्या

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानीश्वर थाना क्षेत्र के बेलबुनी गांव की 22 वर्षीय युवती प्रभाषिणी टुडू ने गले मे फंदा लगाकर आत्म हत्या कर ली हैं ।ग्रामीणों की सूचना पर रानीश्वर थाना की पुलिस ने गांव के आफिस बागान के पेड़ से लटकती युवती की लाश बरामद की है।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले में पुलिस ने अनुसंधान शुरू कर दिया हैं।

पुलिस निरीक्षक वकार बनाएं गए शिकारीपाड़ा थाना के नए थाना प्रभारी

- **उमेश राम को बनाया गया रानीश्वर प्रभाग का पुलिस निरीक्षक**

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार के आदेशानुसार पुलिस निरीक्षक रानीश्वर प्रभाग वकार हुसैन को शिकारीपाड़ा थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है।शिकारीपाड़ा में पदस्थापित पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी उमेश राम को रानीश्वर प्रभाग का पुलिस निरीक्षक बनाया गया है।इसके अलावा प्रभारी कोर्ट कार्यालय सह पुलिस निरीक्षक अतिन कुमार को पुलिस निरीक्षक सदर प्रभाग दुमका का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने किया दुमका के पांच थाना प्रभारियों का तबादला

- **बदले गए जामा,हंसडीहा,गोपीकांदर, काठीकुंड एवं तालझारी के थाना प्रभारी**

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार ने शनिवार को दुमका जिला अंतर्गत कई थाना के प्रभारियों का तबादला कर नया प्रभारी नियुक्त किया है।जामा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक उत्तम कुमार पासवान को जामा का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है वहीं जामा थाना के निवर्तमान थाना प्रभारी जितेंद्र साहू का स्थानांतरण करते हुए हँसडीहा थाना प्रभारी बनाया गया है।हँसडीहा थाना प्रभारी रोहित कुमार को पुलिस केंद्र दुमका भेजा गया है।तालझारी थाना प्रभारी संतोष कुमार को पुलिस केंद्र दुमका भेजा गया और सरैयाहाट थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक आनंद कुमार साहा को तालझारी का नया थानेदार नियुक्त किया गया।जरमुंडी थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक नित्यानंद भोक्ता को काठीकुंड का नया थाना प्रभारी बनाया गया है जबकि कठीकुंड थाना प्रभारी रूपेश कुमार को पुलिस केंद्र दुमका भेजा गया।शिकारी पाड़ा थाना में पदस्थापित अवर निरीक्षक मनोज करमाली को गोपीकांदर थाना प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया तथा गोपीकांदर थाना प्रभारी दिलीप कुमार पाल को पुलिस केंद्र दुमका भेजा गया है।

बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत उपायुक्त द्वारा पौधारोपंण कर महा- अभियान की शुरूआत की गई

- **पौधारोपण अभियान की सफलता हेतु जागरूकता और जिम्मेदारी जरूरी- ए दोड्डे**
- **उपायुक्त ने कि आम नागरिकों से अपील, पौधा रोपण कर पर्यावरण को संरक्षित रखने में करें सहयोग**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त ए दोड्डे ने सदर प्रखंड अंतर्गत आसनसोल गांव से बिरसा हरित ग्राम बागवानी योजना अंतर्गत पौधा रोपण कर पौधा रोपण आभियान की शुरूआत की। इस अभियान के तहत उपायुक्त द्वारा लाभुक सीताराम पुजहर के आम बागवानी योजना में पौधा लगाया गया। इसके अतिरिक्त सदर प्रखण्ड के 17 पंचायतों के कुल 23 एकड़ में आम बागवानी योजना में पौधा रोपण किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि यह अभियान पूरे जिले में एक सप्ताह तक महा अभियान के रूप में मनाया जाएगा। योजना का मुख्य लक्ष्य जिले के ग्रामीण किसानों की आय में वृद्धि करना और फलदार पौधे लगाने के लिए किसानों को प्रेरित करना है। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक किसान परिवार को कम से कम 100 और अधिक से अधिक 300 पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। जिसके माध्यम से किसान 3 वर्ष बाद 50,000 वार्षिक आय अर्जित कर सकेंगे। योग्य लाभुक योजना हेतु आवेदन कर योजना का लाभ उठाएं।

साथ ही उपायुक्त ने आम नागरिकों से भी पौधारोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर एक व्यक्ति को एक पौधा अवशय लगाएं और दूसरो को भी पौधा लगाने हेतु प्रेरित करें। पौधे हमारे पर्यावरण के लिए आवशयक है। पौधारोपण करते हेतु अपनी सेल्फी या फोटो, नाम और नंबर के साथ जिला प्रशासन के व्हाट्स नंबर - 8227076790 पर भेज सकते हैं। पौधा लगाते हुए फोटो को जिला प्रशासन के ऑफिसियल फेसबुक पेज दुमका एडमिनिस्ट्रेशन पर अपलोड किया जाएगा। इस अभियान से जुड़कर पर्यावरण को संरक्षति बनाएं और अभियान से जुड़कर जिला प्रशासन का सहयोग करें।

इस अभियान में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, सहायक अभियन्ता मनरेगा, पंचायत के मुखिया तथा अन्य कर्मियों द्वारा भी पौधारोपण किया गया। उक्त अभियान के तरह उप विकास आयुक्त अभिजित सिन्हा द्वारा जामा प्रखंड अंतर्गत पांदनपहाड़ी गांव में पौधारोपण किया गया। शिकारीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत डीआरडीए निदेशक जावेद अनवर इदरीसी द्वारा पौधारोपण किया गया। इसी तरह अन्य सभी प्रखंडों में वरीय पदाधिकारी द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को लेकर चर्चा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त -सह-अध्यक्ष ए दोड्डे की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।बैठक में उपायुक्त ने जिले में हुए सड़क दुर्घटनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को लेकर चर्चा की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि नियमित वाहनों की जांच करें एवं नियम का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें।इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सड़क सुरक्षा के तहत बनाए गए नियमों का पालन करना अनिवार्य है। बैठक में उपायुक्त ने हिट एंड रन मामलों की समीक्षा कर आवशयक व उचित दिशा निर्देश दिया।उपायुक्त ने विभिन्न थाना प्रभारियों को नियमित रूप से दो पहिया एवं चार पहिया वाहन जांच अभियान चलाकर नियमानुसार जुर्माना करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने जांच में हेलमेट ना पहनने, गाड़ी के कागजात समेत शराब पीकर गाड़ी चलाने की भी जांच करने तथा कारवाई करने एवं ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।उपायुक्त द्वारा निर्देशित दीया गया कि दुमका बस अटल बिहारी बस पड़ाव के समीप/ सर्किट हाउस के सामने रोड पर खड़ी करने वाले बस पर नियमानुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे।बैठक में संबंधित पदाधिकारी एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य मनोज कुमार घोष, रमन कुमार वर्मा, प्रदीपतो मुखर्जी, मुस्ताक अली,एवं जिला सड़क सुरक्षा कार्यालय के कर्मी दीपक कुमार ,मनोज, कुमार अमित कुमार उपस्थित थे।

नीति आयोग के तहत किए जा रहे कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्य को पूरा करना हैः उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त ए दोड्डे की अध्यक्षता में नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि नीति आयोग के तहत किए जा रहे कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्य को पूरा करना है। इसके लिए जिले के सभी पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी निभाने की आवशयकता है। बैठक में नीति आयोग,भारत सरकार द्वारा हर माह आकांक्षी जिलों के संबंध में जारी किए जाने वाले आंकड़ों के आधार पर विभागवार चल रहे कार्यों की समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारियों को आवशयक दिशा निर्देश दिए।बैठक में जिले के विकास से संबंधित निर्धारित विभिन्न प्रक्षेत्र में स्वास्थ्य, कृषि, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, स्किल डेवलपमेंट, शिक्षा विभाग से संबंधित कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में आकांक्षी जिला अंतर्गत नीति आयोग के सूचक के लक्ष्य प्राप्ति से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। उपायुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि नीति आयोग द्वारा जो निर्धारित मानक है, उसे पूरा करना सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, जेएसएलपीएस समेत अन्य विभाग को संचालित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति को मिले, इसको लेकर बेहतर कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा उपायुक्त द्वारा नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानक को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया गया।

बैठक में उप विकास आयुक्त अभिजित सिन्हा , प्रशिक्षु आईएएस प्रांजल ढाढा, निदेशक डीआरडीए, अपर समाहर्ता, सहित जिले के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीडीसी ने किया जामा प्रखंड के पंचायत भवन का निरीक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा जामा प्रखंड के पंचायत भवन, भुटोकोड़िया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपस्थित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, जामा एवं मुखिया जी को पंचायत भवन के सुसज्जीकरण एवं विद्युत, पेयजल, शौचालय आदि सुविधा के सुदृढीकरण का निदेश दिया गया। पंचायत भवन अवस्थित प्रज्ञा केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया। प्रज्ञा केन्द्र संचालक द्वारा बताया गया बीएससीएनएल द्वारा प्रदत्त इन्टरनेट की सुविधा अच्छा नहीं होने के कारण कार्य बाधित होता है, उक्त बिन्दु पर जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, दुमका तथा सी एस सी मैनेजर को आवशयक कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। उप विकास आयुक्त, दुमका द्वारा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी जामा को निदेश दिया गया कि आँगनबाड़ी केन्द्रों में स्वास्थ्य जाँच हेतु जाने वाली स्वास्थ्य सहिया के पास अनिवार्य रूप से सभी जाँच उपकरण उपलब्ध हो, ताकि शिशु, किशोरी एवं महिला का सम्यक स्वास्थ्य जाँच हो सके।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 35वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रमेश कुमार,कमान अधिकारी के अगुवाई में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है । इसी क्रम में सप्ताह के छठे दिन शनिवार को वाहिनी मुख्यालय परिसर में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वॉलीबॉल प्रतियोगिता एस.एस.बी और रेलवे स्टेशन दुमका के बीच खेला गया, जिसमे रेलवे स्टेशन दुमका ने 02-01 से जीता कइस खेल प्रतियोगिता का आयोजन करने का मुख्य उद्देशय स्थानीय जनता एवं बल के जवानों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना एवं खेल को बढ़ावा देना है वॉलीबॉल प्रतियोगिता के दौरान श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक निरंजन कुमार, निरीक्षक विवेक कुमार, निरीक्षक (मंत्रालिक) संतोष कुमार, उप निरीक्षक बासुदेव चक्रवर्ती, उप निरीक्षक (मंत्रालिक) अनुज कुमार झा, सहायक उप निरीक्षक प्रवीण चन्द्र एवं एस.एस.बी. के अन्य कार्मिक और स्थानीय जनता उपस्थित रहे इस क्रम में ₹राष्ट्रीय खेल दिवस₹ सप्ताह 21/08/23 से शुरु होकर दिनांक 29/08/23 तक मनाया जाएगा जिस दौरान 35वीं वाहिनी के द्वारा खेल कूद को बढ़ावा देने हेतु स्थानीय जनता/ बच्चों के बीच में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा ।

मासिक लोक अदालत में 86 वादों का हुआ निष्पादन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वाधान में व्यवहार न्यायालय, दुमका के न्याय सदन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका की अध्यक्षता में मासिक लोक अदालत का आयोजन आज दिनांक 26-08-23 को किया गया। जिसमें कुल 2 बेंचो का गठन किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका द्वारा बताया गया कि लोक अदालत में न्यायालय में लंबित वादों के अलावा दुमका जिला में स्थित विभिन्न विभागों के फौजदारी संबंधी मामलों का आपसी सुलह समझौता के आधार पर निपटारा किया गया जिसमें बेंच नंबर 1 से लक्ष्मण प्रसाद, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, तृतीय, दुमका, ओमियो कुमार मांझी, अधिवक्ता, दुमका एवं धर्मवीर मिश्रा, अधिवक्ता, दुमका एवं बेंच नंबर 2 से रित्विका सिंह, सिविल जज सीनियर डिवीजन,द्वितीय दुमका , नूपुर कुमारी, कार्यपालक दंडाधिकारी, दुमका एवं नीरज कुमार दीक्षित, अधिवक्ता, दुमका उपस्थित थे। इस तरह कुल 86 वादों का निष्पादन दो बेंचों के द्वारा किया गया और साथ ही साथ 3,39,040/- रुपये का समझौता किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग में सम्पन्न हुई पीएचडी शोधर्थियों का डीआरसी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विवि के निर्देशानुसार शनिवार को स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में संकायाध्यक्ष सह विभागाध्यक्ष डॉ जैनेंद्र यादव की अध्यक्षता में पीएचडी कोर्सवर्क परीक्षा उतीर्ण राजनीति विज्ञान विषय के शोधर्थियों का डिपार्टमेंटल रिसर्च कौंसिल की बैठक संपन्न हुई . ज्ञात हो राजनीति विज्ञान विषय में कुल 21 शोधर्थियों ने सफलता पूर्वक अपना पीएचडी कोर्सवर्क पूरा किया है, सभी 21 शोधर्थियों का डीआरसी 25 और 26 अगस्त को निर्धारित किया गया था। उक्त 2 दिनों में सभी शोधर्थियों ने डिपार्टमेंटल रिसर्च कौंसिल के समक्ष अपना रिसर्च प्रोपजल प्रस्तुत किया. डीआरसी ने कुछ रिसर्च प्रपोजल में मामूली सुधार करते हुए सभी शोधार्थियों के प्रपोजल को स्वीकार कर लिया एवं सभी शोधार्थियों को शोध-निर्देशक भी आवंटित कर दिया गया . उक्त बैठक में स्नातकोत्तर विभाग के सह प्राध्यापक डॉ बिजय कुमार , डॉ संजीव कुमार सिन्हा एवं डॉ अजय सिन्हा सहित विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में एस पी कॉलेज राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ गोपाल कुमार सिंह एवं डॉ इंद्रनिल मण्डल उपस्थित थे।

बताते चले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ विमल प्रसाद सिंह के निर्देश पर परीक्षा नियंत्रक ने पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा उतीर्ण हुए सभी शोधार्थियों का डिपार्टमेंट रिसर्च काउंसिल (डीआरसी) कराने सम्बन्धित पत्र सभी संकाय का संकायाध्यक्षों को कुछ दिन पूर्व भेजा था. उक्त पत्र में सभी संकाय का संकायाध्यक्षों को विभागाध्यक्षों के सहयोग से विभागीय स्तर पर डीआरसी मीटिंग कराने के लिए कहा गया था. ज्ञात हो विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा 19 जून को जारी हुए पीएचडी कोर्सवर्क रिजल्ट में विभिन्न विभागों से कुल 239 शोधार्थी उत्तीर्ण हुए थे. पीएचडी कोर्सवर्क परीक्षा में उतीर्ण हुए सभी शोधार्थियों का डीआरसी सम्बन्धित विभाग में स्नातकोत्तर विभाग के विभागाध्यक्ष के अध्यक्षता होना है. छह माह की पीएचडी कोर्स वर्क सफलतापूर्वक संपन्न करने पश्चात एक शोधार्थियों को रजिस्ट्रेशन के लिए सर्वप्रथम डिपार्टमेंट रिसर्च काउंसिल में अपना सिनोप्सिस या शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करना पड़ता है अगर डीआरसी से सिनोप्सिस या शोध प्रस्ताव स्वीकृत हो जाता है तब उसे विश्वविद्यालय स्तर पर कुलपति के अध्यक्षता में होने वाली पीजीआरसी की बैठक में प्रस्तुत किया जाता है. वहाँ स्वीकृत होने के बाद एक शोधार्थी का पीएचडी में रजिस्ट्रेशन होता है.

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धालुओं ने किया बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 26 अगस्त को 93321 श्रद्धालुओं ने बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण किया।शीघ्र दर्शनम से 1871 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया है।शीघ्र दर्शनम से 5,61,300रुपये प्राप्त हुआ।दान पेटी से 149010 रुपये,गोलक से 22590 रुपये अन्य स्त्रोत से 7327 रुपये प्राप्त हुए। हुए।चांदी का सिक्का 10 ग्राम 1 पीस बिका है ।

मानवता की मिसाल थी मदर टेरेसा : श्याम यादव

पाकुड़/झारखंड देखो। मानवता की मूर्ति मदर टेरेसा की 113 वीं जयंती के अवसर पर झामुमों कार्यकर्ताओं ने पार्टी के जिलाध्यक्ष श्याम यादव के नेतृत्व में जिले में स्थापित मदर टेरेसा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। सर्वप्रथम झामुमों जिलाध्यक्ष श्याम यादव द्वारा मदर टेरेसा के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। जिलाध्यक्ष श्याम यादव ने अपने संबोधन में बताया कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मदर टेरेसा एक महान महिला और एक मिशन के रूप में थीं। उन्होंने अपना पूरा जीवन तिरस्कृत, असहाय तथा कमजोर लोगों की सेवा में बिता दिया। वे एक सच्ची मां एवं महान किंवदंती थी तथा हमारे समय की सहानुभूति और सेवा की प्रतीक के रूप में पहचानी जाती है। उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें 1962 में पद्मश्री एवं 1980 में भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना करने वाली इस देवी को पूरा झामुमों परिवार शत शत नमन करता है। मौके पर मजदूर मोर्चा जिलाध्यक्ष मनोज कुमार चौबे, पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मुसलोद्दीन शेख, अनेकुल आलम, जवाहर सिंह, पगान हांसदा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

पीएम पोषण शक्ति निर्माण को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रधान मंत्री पोषण शक्ति निर्माण के तहत शनिवार को प्रखंड संसाधन केंद्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुई। जिसमे छह संकुल के दो -दो विद्यालयो के संयोजिका ने भाग लिया ।का एक दिवसीय प्रशिक्षण शनिवार को आयोजित हुई। प्रशिक्षण में बीआरपी संजय जयसवाल ने जानकारी देते हुए बताया की किचन रूम की रख रखाव सही ढंग हो । इसकी दायित्व संयोजिका का होता है।मध्याह्न भोजन की संचालन में मेन्यू अनुरूप गुणवत्तापूर्ण भोजन बनाना आवश्यक है। वही भोजन पोष्टिक भी हो। विद्यालय में खाद्य पदार्थो की रखरखाव में विशेष सावधानी बरतना चाहिए। वही भंडारण की रख रखाव प्रति भी विशेष रूप से ध्यान देना है। पाकशाला को हमेशा साफ रखना है। इस मौके पर बीपीओ किशन भगत, सीआरपी मोफिजुद्दीन अंसारी, सुजीत चार, खबिर अंसारी, नरेंद्र साहा, प्रमोद भण्डारी, संयोजिका सुषमा देवी, रौलीना किस्कु ,जहाँआरा बीबी आदि उपस्थित थे।

डीलर एसोसिएशन ने खाद्यान्न आवंटन में गड़बड़ी की शिकायत की

डुमरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। फेयर प्राईस शॉप डीलर्स एसोसिएशन से जुड़े सदस्यों ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि अगस्त माह 2023 के खाद्यान्न आवंटन में भारी गड़बड़ी की गई है,माह सितंबर 2022 से दिसंबर 2022 के पीएम गरीब कल्याण योजना के चार माह के शेष खाद्यान्न के आधार पर आवंटन में कटौती की गई है।डुमरी प्रखंड में माह सितंबर 2022 में पीएमजीकेएवाई के मद में प्रखंड के किसी भी डीलर को कुछ भी खाद्यान्न नहीं मिला है जबकि शेष से ज्यादा माल की कटौती कर लिया गया।किसी किसी डीलर को 10 क्विंटल से 50 क्विंटल तक चावल की कटौती कर लिया गया है।गेहूं का आवंटन भी शून्य कर दिया गया है।इस स्थिति में डीलर किस प्रकार अपने कार्डधारियों के बीच खाद्यान्न का वितरण करें,लिखा है कि संगठन द्वारा विरोध दर्ज करने पर कुछ डीलरों का आवंटन सुधार किया गया है किंतु अभी भी काफी डीलरों का सुधार नहीं हुआ है। बारिश नहीं होने के कारण सुखाड़ की स्थिति बन गई है,कई लाभुकों का इसी राशन से घर में चूल्हा जलता है इसलिए शीघ्र आवंटन में सुधार होना चाहिए ताकि सभी डीलर अपने कार्डधारियों को राशन दे सके।प्रेस विज्ञप्ति में एसोसिएशन के अध्यक्ष शिवचरण महतो उपाध्यक्ष चंदेश्वर महतो सचिव ललिन सिंह संयुक्त सचिव केदार प्रसाद कोषाध्यक्ष अखिलेश राणा,अरुण जायसवाल,भुवनेश्वर रविदास आदि के हस्ताक्षर हैं।

दूधापानी विद्यालय में हुई चोरी, कुंडहित थाना में दिया गया लिखित जानकारी

कुंडहित(जामताड़ा)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शुक्रवार की रात कुंडहित प्रखंड के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय दूधापानी में अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर विद्यालय में रखें चावल, रजिस्टर तथा बायोमेट्रिक डिवाइस मशीन चोरी करने का एक मामला प्रकाश में आया है। शनिवार की सुबह विद्यालय के शिक्षक सह सचिव सोनाली मंडल विद्यालय पहुंचने पर देखा कि एक कमरा का ताला तो खुला हुआ है।अंदर देखने पर चावल, रजिस्टर एंव डिवाइस गायब पाया गया। सचिव सोनाली मंडल ने उक्त जानकारी ग्रामीणों तथा बीआरसी कार्यालय में फोन से दिया गया। साथ ही लिखित जानकारी कुंडहित थाना में एंव विभागीय कार्यालय में दिया गया। आवेदन में दर्शाया गया है कि विद्यालय में लगभग 1 क्विंटल 74 किलो ग्राम चावल, कुछ रजिस्टर तथा बायोमेट्रिक डिवाइस गायब पाया गया। सचिव सोनाली मंडल ने बताया शुक्रवार को विद्यालय में ताला बंद घर गए ,शनिवार को विद्यालय पहुंचने पर देखा एक कमरा में ताला टुटा हुआ है तथा अंदर रखे समान गायब पाया गया।

मेला क्षेत्र में लगाए गए एलईडी एवं टीवी पर बाबा बासुकीनाथ का लाइव दर्शन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। 4 जुलाई से चल रहे श्रावणी मेला अब समापन की ओर है। पुरुषोत्तम मास के आगमन से इस वर्ष श्रावणी मेला का विशेष महत्व रहा। इस दौरान जिला प्रशासन कर्तव्यनिष्ठा एवं पूरी तत्परता से मेला संचालन हेतु कार्यरत है।

» 24×7 घंटे कार्यरत हैं सूचना सहायता कर्मी

सूचना जनसंपर्क विभाग द्वारा संपूर्ण मेला क्षेत्र में सूचना सहायता कर्मियों की प्रतिनयुक्ति की गई है प्रमुख जानकारी देने के साथ साथ चलने में असमर्थ कवारिओ की सहयता करते है।उन्हें जलार्पण कराने में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाता है।

इसके साथ ही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा संपूर्ण मेला क्षेत्र में एल ई डी तथा टीवी लगाया गया है जिसमे बाबा बासुकीनाथ का श्रृंगार पूजन,विश्राम पूजन एवं गर्भ गृह के लाइव दर्शन की व्यवस्था की गई है ।इस प्रकार की व्यवस्था

से श्रद्धालु काफी प्रसन्न है। क्योंकि मेला क्षेत्र की किसी भी स्थान पर लगे एलईडी में बाबा का लाइव दर्शन कर पाते हैं। इसके साथ ही कतार में लगे अपनी बारी का इंतजार करते हुए श्रद्धालु भी रूट लाइन में लगे टीवी में बाबा का लाइव दर्शन करते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है की इस प्रकार की व्यवस्था से लंबी कतार का पता नहीं चलता और बाबा के पूजन को लाइव भी देख पाते है ।इसके साथ ही सरकारी की प्रमुख योजनाओं की जानकारी वीडियो के माध्यम से एलइडी स्क्रीन के माध्यम से दी जा रही है ताकि मेला में आने वाले श्रद्धालु इसकी जानकारी प्राप्त कर ऐसे लाभान्वित हो सकें।

» सूचना सहायता शिविरों के माध्यम से दी जा रही है प्रमुख जानकारियां

सूचना सहायता शिविरों के माध्यम से समय समय पर मेला से संबंधित प्रमुख जानकारियां प्रेषित की जा रही है ।संपूर्ण मेला क्षेत्र में लगे माइक में मंदिर खुलने,बंद होने, जलार्पण हेतु समय,एवं अन्य प्रमुख सूचनाओं का संप्रेषण किया जा रहा है। जिससे कि श्रद्धालुओं को सही जानकारी देते हुए समयनुसार जलार्पण कराया जा सके।

» खोया पाया केंद्र : बिछड़ों को हम मिलाते है

सूचना जनसंपर्क द्वारा संचालित खोया पाया केंद्र में सूचना सहायता कर्मी बिछड़े श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य निरंतर एवं तत्परता से कर रहे हैं।श्रावणी मेला की भीड़ में अपने परिजनों से बिछड़ जाने वाले श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य करते है । परिजनों को न मिलने पर बस स्टैंड ,रेलवे स्टेशन एवं आवश्यकता पड़ने पर खोए हुए श्रद्धालुओं को उनके घर तक छोड़कर आते हैं। इसी क्रम में कई श्रद्धालुओं को उनके घरों तक पहुंचाया गया। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़, उतर प्रदेश,पश्चिम बंगाल,मध्य प्रदेश, असम जैसे कई सुदूरवर्ती राज्यों में पास देकर घर भिजवाया गया। अब तक लगभग 15,000 श्रद्धालुओं को खोया पाया शिविर के माध्यम से परिजनों से मिलाया गया है।

» बच्चों एवं महिलाओं के लिए मातृत्व बंधन कक्ष की विशेष व्यवस्था

श्रावणी मेला में बाबा बासुकीनाथ का दर्शन करने हेतु महिला महिलाओं के साथ-साथ बच्चे भी काफी संख्या में आते हैं जिनके लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के शिविर में महिलाओं के लिए मातृत्व बंधन कक्ष बनाया गया है जिसमें बच्चों के फीडिंग के साथ-साथ उनके मनोरंजन हेतु खेलने कूदने पढ़ने के साथ-साथ बच्चों के लिए आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं के बच्चों को शिविर में उनके लिए उपयुकत आहार की भी व्यवस्था की गई है। माताओं के लिए फीडिंग रूम बनाया गया है जिससे कि उन्हें किसी प्रकार की असहजता महसूस न हो। बच्चों के लिए इस प्रकार की व्यवस्था को देखकर माताओं के चेहरे पर काफी संतोष का भाव दिखाई देता है ।

» आकर्षक प्रदर्शनी एवं स्टोलों के माध्यम से दी जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारियां

मीडिया सेंटर के बगल में प्रदर्शनी शिविर में एवं स्टॉल भी लगाए गए हैं जिसमे पर्यटन स्थलों के साथ साथ स्टालों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है ।

डालसा द्वारा पोक्सो एक्ट पर एक दिवसीय कार्यक्रम का किया गया आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झालसा रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार दुमका न्याय सदन मे शनिवार को पॉक्सो एक्ट के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम मे जिला जज द्वितीय, राकेश कुमार मिश्रा, एस.पी., पीताम्बर सिंह खेरवार, सी जे एम धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उदघाटन किया।कार्यक्रम मे पोक्सो एक्ट यानि प्रोटेक्शन ऑ×फ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफन्स एक्ट को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।पॉक्सो अधिनियम को भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2012

मे अधिनियमित किया गया था, जिसके अंतर्गत बाल यौन शोषण, यौन उत्पीड़न एवं पॉनोग्राफी के विरुद्ध कार्रवाई के लिये कड़े प्रावधान किये गये है, इसके उल्लंघन से जेल के साथ जुर्माने का भी प्रावधान है. कार्यक्रम मे पीड़िता को न्याय दिलाने के लिये किस तरह केस को फ्रेम करना है उसे बारीकी से बताया गया, साथ ही पीड़िता को मुआवजा दिलाने की दिशा मे कार्रवाई करने की बात को बताया गया। कार्यक्रम मे दुमका न्यायलय के सभी न्यायिक दंडाधिकारी के साथ, मेडिकल ऑफिसर डॉ शशिधर मिश्रा, एल ए डी सी सिकंदर मंडल, ए पी पी चंपा कुमारी, डीएसपी विजय कुमार जिले के सभी थानो के थाना प्रभारी, इंस्पेक्टर और डीएसपी मौजूद थे.

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्राओं ने ममता बनर्जी का बसुआ चौक पर को का पुतला

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गोड्डा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महागामा नगर इकाई के द्वारा जादवपुर विवि रैगिंग मामले में प्रदर्शन कर रहे अभाविप राष्ट्रीय महामंत्री व छात्र गिरफ्तार करने को लेकर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया गया। उपस्थित प्रभावित कोटा जिला संयोजक सुमित कुमार ने कहा की जादवपुर विश्वविद्यालय में नाबालिग छात्र स्वप्नदीप कुंडू की रैंगिंग व मृत्यु मामले में पश्चिम बंगाल सरकार व जादवपुर विश्वविद्यालय प्रशासन के विरुद्ध आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, राष्ट्रीय मंत्री बिराज विश्वास सहित 100 से अधिक अभाविप कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज करते हुए पुलिस ने

गिरफ्तार कर लिया है, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है। कल शुक्रवार को अभाविप दक्षिण बंग प्रांत इकाई द्वारा आयोजित 'चलो जादवपुर' प्रदर्शन के माध्यम से न्याय की मांग कर रहे अभाविप कार्यकर्ताओं के साथ पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा अत्यंत बर्बरतापूर्वक व्यवहार किया गया, इस प्रदर्शन में शामिल छात्राओं को पुरुष पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया गया व दुर्व्यवहार करते हुए उन्हें बलपूर्वक घसीट कर पुलिस गाड़ी में डाला गया। वही नगर अध्यक्ष अशोक चौधरी में अपने वक्तव्य में बतलाया की जादवपुर विश्वविद्यालय में बीए में अध्ययनरत नाबालिग छात्र स्वप्नदीप कुंडू के साथ रैंगिंग,यौन दुर्व्यवहार की घटना के बाद हॉस्टल की बालकनी से गिर स्वप्नदीप कुंडू की अस्पताल में मृत्यु हो गई। इस घटना ने पश्चिम बंगाल में छात्रों के लिए भय व्याप्त वातावरण को पुनः उजागर कर दिया है। नगर मंत्री सुमित मंडल ने कहा की ₹पश्चिम बंगाल की जादवपुर विश्वविद्यालय में रैगिंग की जघन्य घटना अत्यंत जघन्य कृत्य है। हमारे परिसर छात्रों के लिए सुरक्षित होने चाहिए, न कि उन्हें अपराधियों का अड्डा बनाया जाए। आज जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता स्वप्नदीप कुंडू के लिए न्याय की मांग कर रहे थे,तो पुलिस ने उनके साथ अत्यंत बर्बरतापूर्वक व्यवहार किया गया। छात्राओं के साथ पुरुष पुलिस ने दुर्व्यवहार किया। महिलाओं के लिए पश्चिम बंगाल असुरक्षित होता जा रहा है, पश्चिम बंगाल सरकार केवल सरकार की विफलताओं की आलोचना करने वालों को गिरफ्तार करने व पुलिसिया दमन में व्यस्त है।₹ इसलिए हम लोकतांत्रिक तर-ीके से प्रदर्शन के दौरान ममता बनर्जी सरकार ने अभाविप का कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

बीएलओ पर्यवेक्षकों की समीक्षा बैठक कर बीडीओ ने दिए कई दिशा निर्देश

पाकुड़िया (पाकुड़)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया स्थित सभा कक्ष में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी मनोज कुमार के अध्यक्षता में बीएलओ की समीक्षा बैठक की गई । बैठक में उपस्थित सभी निर्वाचन पर्यवेक्षकों से 2024 की लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बीएलओ के कार्यक्रमों की जानकारी बिंदुवार लेते हुए,प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी कुमार ने बीएलओ पर्यवेक्षकों को घर-घर सत्यापन कर ऑनलाइन करने, पन्ना सत्यापन करने , होम टू रोल सत्यापन करने एवं ब्लैक व्हाइट फोटो करने का निर्देश दिया । इस अवसर पर त्रिदीप कुमार शील , बीपीआरओ अब्दुल हलीम ,कनीय अभियंता लालू रविदास , प्रेम प्रकाश टूडू , धन मरांडी , दिनेश भंडारी , एकरामुलहक अंसारी सहित प्रखंड के सभी बीएलओ पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

लोग पीने का पानी के लिए तरस रहे

पाकुड़िया (पाकुड़) /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। थाना क्षेत्र के जामसोल गांव ऊपर पाड़ा में बारिश के मौसम में भी लोग पीने का पानी के लिए तरस रहे हैं । इस गांव के लोगो को पास के दूसरा गांव पारकुड़ा से पानी लाकर प्यास बुझानी पड़ती है । पानी की समस्या से स्थाई समाधान के लिए शनिवार को गांव के राम हांसदा,मोतीलाल हांसदा,दूरबीन सोरेन,बाबूराम टुडू,लखन सोरेन सहित सैकड़ों ग्रामीण प्रखंड कार्यालय पहुंचकर गांव में पेयजल संकट की स्थाई समाधान की मांग की और डीप बोरिंग कराने का अनुरोध बीडीओ मनोज कुमार से किया । ग्रामीणों ने बताया कि गांव में तीन चापाकाल है लेकिन पानी का लियर बहुत ही नीचे रहने के कारण चापकल से पानी नहीं निकलता है । विवशतावश ग्रामीणों को एक किलोमीटर दूर स्थित पारकुड़ा गांव से पानी लाकर प्यास बुझानी पड़ती है। ग्रामीणों ने बताया कि इसके पूर्व भी जिले के उपायुक्त को इस गांव में पानी की समस्या की शिकायत की गई थी लेकिन अबतक स्थाई समाधान नहीं हो पाई है । इधर बीडीओ मनोज कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कार्यपलक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को पत्राचार कर इस गांव में डीप बोरिंग कर पानी की समस्या का समाधान के लिए अनुरोध किया गया है।

गोड्डा पुलिस ने महागामा ज्वेलर्स की दुकान में हुए दिनदहाड़े लूटपाट के कांड का किया उद्भेदन

गोड्डा/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गोड्डा जिला के महागामा में दिनदहाड़े हुई लूट कांड में 2 घंटे के अंदर पुलिस ने मामले का उद्वेदन कर लिया है, बता दें कि महागामा बाजार स्थित स्वर्गीय विजय जायसवाल ज्वेलर्स में आज कुछ अपराधियों द्वारा बंदूक की नोक पर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया था. इसके बाद तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई और पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई. इसके साथ गोड्डा एसपी नाथू सिंह मीणा के नेतृत्व में जिले भर के स्थान को एक्टिव कर दिया गया. और 2 घंटे के भीतर ही पुलिस ने चारों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के मुताबिक तीनों अपराधि दियाजोरी से रेलवे लाइन होते हुए डेहरी केबिन और बलबड्डा थाना होते हुए मेहरमा थाना क्षेत्र से फरार हो रहे थे, इसी दौरान अपराधियों ने अपनी दोनों बाइक भुसका के समीप फेंक दी और भागने लगे. इसके बाद पुलिस के एक्टिव टीम ने घोरीचक के भुस्का के समीप तीन अपराधियों को धर दबोचा इसके बाद चौथे अपराधियों को पकड़ने के दौरान अपराधी ने नहर में छलांग लगा दी और चौथे अपराधी की उस नहर में डूबने से मौत हो गई. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस ने अपराधियों के पास से दो पिस्टल और लूटपाट किए गए जेवरात भी बरामद किए हैं। खबर भेजें आने तक प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हो पाई है।

बादम तैलिक साहू समाज द्वारा नवनिर्मित भवन उद्घाटन को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

- **तीन दिवसीय सप्तशती दुर्गा पाठ के साथ 28 अगस्त को होगी पूर्णाहुति, प्रसाद वितरण एवं गृह प्रवेश**
- **कलश यात्रा में शामिल हुए विधायक अंबा प्रसाद, कहा-**
- **समाज द्वारा की गई सराहनीय कार्य,जितने भी प्रशंसा की जाए कम होगी**

बड़कागांव।झारखंड देखो

बड़कागांव प्रखंड के बादम गांव में तैलिक साहू समाज बादम के सौजन्य से नवनिर्मित भवन का उद्घाटन 28 अगस्त को बेदी पूजन, कन्या पूजन पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण के साथ संपन्न किया जाएगा। इसके लिए आज 26 अगस्त को कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय सप्तशती दुर्गा पाठ प्रारंभ की गई है । कलश यात्रा नवनिर्मित भवन प्रांगण से गाजे-बाजे के साथ शुरुआत कर पचबहिनी मंदिर में पहुंचकर कलश में जल भरा गया एवं मंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना के बाद पुनः कलश यात्रा बादम गांव का भ्रमण के पश्चात नवनिर्मित भवन में स्थापित की गई। इस कलश यात्रा में विधायक अंबा प्रसाद, अखिल भारतीय तैलिक साहू समाज के प्रखंड अध्यक्ष जगरनंदन प्रसाद गुप्ता, सचिव कैलाश साव, उपाध्यक्ष पदम साव, भुवनेश्वर साव, नरेश कुमार, मित्तलाल साव, चंद्रिका साव, इंद्रदेव राम, गोविंद महतो, विक्रम गुप्ता, बादम तैलिक साहू समाज के अध्यक्ष खेलावन साव, अर्जुन साव, विकास साहू, चंदन साव,अनिल प्रसाद, उमाशंकर

कुमार, वीरेंद्र गुप्ता, काशीनाथ साव, त्रिलोकी साव, अनिल साव, प्रदीप साव, लालदेव साहू, लालो साहु, अशोक साहू, गोपाल साहू, प्रकाश साहू, वीरेंद्र साव, दामोदर साव, उपेंद्र साव, फुलेश्वर साव,सुरेंद्र कुमार, सेवक साव, अजय साव, रविंद्र साहू, छकन साव, शंकर कुमार, गोविंद कुमार, अखिलेश कुमार, दिनेश साव, धर्मेंद्र साहू, अशोक कुमार, भुनेश्वर साहू, मोहन साहू, रघुनाथ साहू, महेंद्र साव, विनोद साव, सहित भारी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष शामिल थे। सप्तशती दुर्गा पाठ का मंत्रोच्चारण पंडित उदय पांडे द्वारा तथा पुजारी सिटन साव एवं धर्मपत्नी सरस्वती देवी, पुसन साव धर्मपत्नी एवं दुलारी देवी शुरू की गई है। मौके पर पचबहिनी मंदिर में विधायक अंबा प्रसाद ने माथा टेकने के पश्चात कहा कि धार्मिक अनुष्ठान से क्षेत्र का वातावरण एवं लोगों की मां की शुद्धि होती है। उन्होंने आगे कहा कि बादम तैलिक साहू समाज द्वारा यह एक सराहनीय कार्य किया गया जो इस भवन का निर्माण की गई है। गांव में भी अब सार्वजनिक जगह कम बच रहा है। ऐसी स्थिति में यह भवन निर्माण कर सामूहिक कार्य एवं किसी व्यक्ति का कार्यक्रम उपयोग के लिए बड़ा ही सहायक सिद्ध होगी। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह काम होगा।

भारत-चीन संबंधों में सुधार साझा हितों को पूरा करता है : चीनी राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और भारत के संबंधों में सुधार साझा हितों को पूरा करता है और यह क्षेत्र एवं दुनिया में शांति और स्थिरता लाने में सहायक होगा। चिनफिंग ने यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी बातचीत के दौरान कही। इसकी जानकारी चीन ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन के इतर दोनों नेताओं के बीच हुई वार्ता का शुक्रवार को ब्योरा जारी कर दी। इससे अलग, भारतीय सूत्रों ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक को लेकर चीनी पक्ष की ओर से एक अनुरोध लंबित है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने 'नेताओं के लाउंज' में अनौपचारिक बातचीत की थी। भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को बताया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत के दौरान शी चिनफिंग को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर ''अनसुलझे'' मुद्दों के संबंध में भारत की चिंताओं से अवगत कराया। क्वात्रा के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और एलएसी का सम्मान भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। चीनी ब्योरे में दोनों नेताओं के बीच बुधवार को हुई बातचीत को ''स्पष्ट और गहन'' बताया गया।

इसमें कहा गया है, ''23 अगस्त को (चीन के) राष्ट्रपति शी चिनफिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर वर्तमान चीन-भारत संबंधों और साझा हित के अन्य मामलों पर विचारों का स्पष्ट और गहन आदान-प्रदान किया।'' इसमें कहा गया, ''राष्ट्रपति शी ने इस बात पर जोर दिया कि चीन-भारत संबंधों में सुधार दोनों देशों और लोगों के साझा हितों को पूरा करता है और क्षेत्र एवं दुनिया की शांति, स्थिरता और विकास के लिए भी सहायक है।'' नयी दिल्ली में चीनी दूतावास द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों के समग्र हितों को ध्यान में रखना चाहिए और सीमा मुद्दे को उचित तरीके से सुलझाना चाहिए ताकि सीमा क्षेत्र में शांति की संयुक्त रूप से रक्षा की जा सके। जोहानिसबर्ग में बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में क्वात्रा ने कहा था कि मोदी और शी अपने-अपने संबंधित अधिकारियों को सैनिकों की शीघ्र वापसी और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए।

क्वात्रा ने कहा कि मोदी ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से इतर समूह के नेताओं के साथ बातचीत की। क्वात्रा ने कहा कि मोदी ने शिखर सम्मेलन से इतर शी से बातचीत की और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान करने की महत्ता के साथ ही भारत की चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। विदेश सचिव ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर अन्य ब्रिक्स नेताओं से बातचीत की। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बातचीत में प्रधानमंत्री ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी सेक्टर में एलएसी पर अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंताओं का उल्लेख किया।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सामंजस्य बनाए रखना तथा एलएसी का सम्मान करना भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक हैं।''

स्वागत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का शुक्रवार को जम्मू एवं कश्मीर के सोनमर्ग में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा स्वागत किया करते हुए।

सिंगापुर में नेताजी के 'दिल्ली चलो' नारे पर बनी वृत्तचित्र को प्रदर्शित किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर। सिंगापुर में शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'दिल्ली चलो' नारे पर बनी एक वृत्तचित्र को प्रदर्शित किया जाएगा। बोस ने जुलाई 1943 में तत्कालीन जापानी कब्जे वाले सिंगापुर के पडांग से यह नारा दिया था। 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस: ए सिंगापुर सागा' नामक इस वृतचित्र में प्रवासी भारतीय नागरिकों को दिल्ली आने तथा यहां की सत्ता पर काबिज ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार को बेदखल करने का आह्वान करने वाले युद्धघोष को दर्शाया गया है। नेताजी के 'दिल्ली चलो' के नारे ने दक्षिण पूर्व एशिया में लोगों को जोश से भर दिया तथा इसने 'भारत की आजादी के आंदोलन' को प्रज्वलित किया। नेताजी के नेतृत्व में इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) में शामिल होने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई और इसने चार सालों के बाद 1947 में भारत की आजादी में मुख्य भूमिका निभाई। सिंगापुर की साप्ताहिक 'तबला' की एक रिपोर्ट के अनुसार, मूलतः यह वृत्तचित्र भारत और सिंगापुर के इतिहास और मजबूत सांस्कृतिक संबंधों की याद दिलाता है। टैगोर सोसाइटी सिंगापुर द्वारा निर्मित इस वृत्तचित्र का निर्देशन लक्ष्मी रमन वेंकट ने किया है। सोसाइटी की क्रिएटिव डायरेक्टर डॉली डेवनपोर्ट ने कहा कि वृत्तचित्र मे इस बात की झलक मिलती है कि कैसे क्षेत्र के आम लोग नेताजी और भारत की आजादी के प्रति आकर्षित थे।

मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति को भेंट की 'सुराही', ब्राजीलियाई राष्ट्रपति को गोंड पेंटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए जोहानिसबर्ग जाने और उसके पश्चात यूनान की यात्रा के दौरान मिलने वाले वैश्विक नेताओं को भेंट देने के लिए ऐसी कलाकृतियों और पारंपरिक वस्तुओं को तरजीह दी जिनमें पूरी तरह से भारतीय विरासत और संस्कृति की झलक दिखाई देती हों। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा को तेलंगाना की मशहूर 'बीदरी कला' से निर्मित 'सुराही' और उनकी पत्नी एवं मेजबान देश की प्रथम महिला को नगालैंड की पारंपरिक शॉल भेंट की।

उन्होंने कहा कि यह 'बीदरी कला युक्त फूलदान' विशुद्ध रूप से एक भारतीय नवाचार है, जो कर्नाटक में मैसुरू के समीप स्थित शहर बीदर की विशेषता है। यह जस्ता, तांबा और अन्य अलौह धातुओं के मिश्रण से बना होता है। इस पर शुद्ध चांदी के तारों से सुंदर पच्चीकारी उत्कीर्ण की जाती है। उन्होंने कहा कि इसके बाद ढलाई को बीदर किले की विशेष मिट्टी से तैयार मिश्रित घोल में भिगोया जाता है, जिसमें विशेष ऑक्सीकरण गुण होते हैं। उन्होंने कहा कि इससे जस्ता मिश्रित धातु चमकदार काले रंग में बदल जाती है और चांदी की पच्चीकारी काले रंग की पृष्ठभूमि के साथ बेहद खूबसूरत लगती है।

इस उपहार में चांदी की 'नक्काशी' भी थी, जिसके पैटर्न पहले कागज पर खींचे जाते हैं और फिर चांदी की चादरों पर स्थानांतरित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि नगा शॉल, वस्त्र कला का एक उत्कृष्ट रूप है जो भारत के पूर्वोत्तर भाग में नगालैंड में जनजातियों द्वारा सदियों से बुनी जाती रही है। ये शॉल अपने जीवंत रंगों, सघन डिजाइन और पारंपरिक बुनाई तकनीकों के उपयोग के लिए जानी जाती हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक नगा शॉल एक अनूठी कहानी बताती है, जो जनजाति के इतिहास, मान्यताओं और जीवन के तरीके को दर्शाती है।

मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा को मध्य प्रदेश की गोंड पेंटिंग उपहार में दी। अधिकारियों ने कहा कि गोंड पेंटिंग सबसे लोकप्रिय आदिवासी कलाकृतियों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि बिंदुओं एवं रेखाओं द्वारा बनाए गए ये चित्र, गोंड समुदाय की दीवारों और फर्श पर चित्रात्मक कला का एक हिस्सा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यूनान के प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ की मशहूर डोरा कलाकृति भेंट की। अधिकारियों ने बताया कि ये भारत के प्रागैतिहासिक काल की एक कला विधा है।

फिल्म कभी 'अलविदा ना कहना' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार और अभिनेत्री रक्षा गुप्ता की आने वाली फिल्म कभी अलविदा ना कहना का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म कभी अलविदा ना कहना का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है।इस फिल्म के निर्देशक सुजीत वर्मा हैं। फिल्म के निर्माता यश कुमार एंटरटेनमेंट और निधि मिश्रा हैं। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत होती है, यश कुमार के कॉमेडी एक्शन से और क्लाइमैक्स में वे फिल्म की अभिनेत्री रक्षा गुप्ता से दूर जाते नजर आते हैं। इस फिल्म की कहानी एक ऐसे पति की है, जो अपनी पत्नी से बेइंतहा प्यार भी करता है और उसकी खुशी के लिए त्याग भी करता है। यश कुमार अपने पिता के दोस्त की बेटी से उस हाल में शादी करता है, जब उसकी बेटी एक एक्सीडेंट में कोमा में चली जाती है। फिर यश उसे कोमा से बाहर लाता है, लेकिन फिर हालत ऐसे बनते हैं कि यश को अपनी पत्नी की शादी उसके पसंद के लड़के से करवानी पड़ती है।

फिल्म कभी अलविदा ना कहना में यश कुमार और रक्षा गुप्ता के अलावा डिम्पल सिंह,अमित शुक्ला, अनीता रावत, विनोद मिश्रा, सबा खान, राधे कुमार, वैष्णवी शाही, पूनम वर्मा, संजीव मिश्रा और नीलू यादव मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के संगीतकार साजन मिश्रा और गीतकार शेखर मधुर हैं। कहानी खुद यश कुमार ने लिखी है। पटकथा और संवाद राकेश त्रिपाठी का है और छायांकन जहांगीर सय्यद ने किया है।

अजय देवगन की फिल्म 'भोला' का कल होगा वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म भोला का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 27 अगस्त को जी सिनेमा पर होगा। भोला का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर जी सिनेमा पर 27 अगस्त को रात 8 बजे होगा। अजय देवगन ने बताया, भोला एक भव्य एक्शन फिल्म है, जिसमें गहरे जज़्बात हैं। एक डायरेक्टर और एक एक्टर, दोनों ही रूप में भोला बनाना मेरे लिए एक दिलकश सफर रहा। मैं हमेशा नई-नई फिल्म निर्माण तकनीक पेश करने की कोशिश करता हूं, जिनमें से ज्यादातर भोला के एक्शन दृश्यों में इस्तेमाल की गई हैं।

इस फिल्म में एक बाप-बेटी का दिल छू लेने वाला रिश्ता यकीनन बहुत-से लोगों से जुड़ जाएगा। अब मुझे उसे पल का इंतजार है, जब दर्शक टेलीविजन पर यह फिल्म देखेंगे और भोला की दुनिया में गहरे उतर जाएंगे। भोला में अजय देगवन, तब्बू ,संजय मिश्रा, दीपक डोबरियाल और गजराज राव की अहम भूमिका है।

फिल्म 'जंगल' में नजर आएंगे विक्रांत सिंह राजपूत

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत फिल्म जंगल में काम करते नजर आयेंगे। फिल्म जंगल में विक्रांत सिंह राजपूत अहम किरदार में नजर आयेंगे इस फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड के पहाड़ों और जंगलों में में की जा रही है। इस फिल्म में विक्रांत सिंह राजपूत के साथ ऋतु सिंह भी हैं, जो उनकी बहन का किरदार निभा रही हैं, जबकि उनके अपोजिट श्रुति राव हैं।

विक्रांत सिंह राजपूत ने कहा कि फिल्म जंगल की पटकथा ने मुझे इस फिल्म की ओर खूब आकर्षित किया है। मुझे खुशी है कि अब मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और सबसे भारी बात यह है कि मुझे भोजपुरी के दिग्गज कलाकार अवधेश मिश्रा के निर्देशन में अभिनय का मौका मिल रहा है।

थोड़ा नर्वसनेस भी हूं लेकिन एक कलाकार के रूप में फिर भी मैं अपना हंड्रेड परसेंट दूंगा। फिल्म

जंगल के कहानी के अनुसार इसके गीत और संगीत भी होने वाले हैं। फिल्म को लेकर हम सभी उत्साहित हैं और हमारी फिल्म बड़े बजट की होने वाली है जो दर्शकों का खूब मनोरंजन भी करेगी।

वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन की प्रदीप सिंह कृत फिल्म जंगल में विक्रांत सिंह राजपूत, अवधेश मिश्रा, ऋतु सिंह,श्रुति राव, केके गोस्वामी, अनीता रावत, बालेश्वर, श्रुति, राधा सिंह,महेश आचार्य,हीरा यादव,रोहित सिंह मटरू आदि मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह और प्रतीक सिंह हैं। निर्देशक अवधेश मिश्रा हैं।फिल्म के गीतकार और संगीतकार अमन श्लोक हैं।फ़िल्म का निर्माण वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन के बैनर तले किया जा रहा है।

कृति सैनन ने नेशनल फिल्म अवार्ड जीतने पर जताई खुशी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने फिल्म 'मिमी' के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल फिल्म अवार्ड जीतने पर खुशी जतायी है। 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स 2023 के विजेताओं का ऐलान हो गया है। आलिया भट्ट को गंगूबाई काठियावाड़ी और कृति सैनन को मिमी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया है। कृति सैनन ने अपनी इस कामयाबी पर सभी को धन्यवाद देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की है। कृति सैनन ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा मैं अभी भी इसमें डूबी हुई हूं। खुद को पिंच कर रही हूं कि क्या ये सब सच में हुआ है। मिमि के लिए बेस्ट ऐक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला है। ज्यूरी को शुक्रिया, जिन्होंने मेरी परफॉर्मेंस को इस अवॉर्ड के लायक समझा। यह मेरे लिए पूरी दुनिया है। डीनो मैं आपका धन्यवाद कैसे करुं... आपने मुझपर इतना विश्वास किया और हमेशा मेरे साथ खड़े रहे और मुझे यह फिल्म दी... इसके लिए मैं आपकी जीवन भर शुक्रगुजार हूं।

लक्ष्मण सर आप हमेशा मुझे कहते थे कि मिमि देखना आपको इस फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलेगा। मिल गया सर... और यह आपके बिना मुमकिन नहीं था। मॉम, डेड, नूप्स आप सभी मेरी लाइफलाइन हैं। हमेशा चीयरलीडर बनने के लिए थैंक्यू। कृति सैनन ने आलिया भट्ट को भी नेशनल अवॉर्ड जीतने पर बधाई देते हुए कहा बधाई हो आलिया आप ये डिजर्व करती हैं। मैं हमेशा आपके काम की सराहना करती हूं। मैं इस मोमेंट को आपके साथ शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। ये.... बिग हग... चलो सेलिब्रेट करते हैं।आंखें नम हैं और दिल भरा हुआ है। मिमि के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता।

आलिया भट्ट ने भी जताई खुशी

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल फिल्म अवार्ड जीतने पर खुशी जतायी है। 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स 2023 के विजेताओं का ऐलान हो गया है। आलिया भट्ट को गंगूबाई काठियावाड़ी और कृति सैनन को मिमी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया है।इस जीत पर खुशी जाहिर करते हुए आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर दो तस्वीरे साझा की है और खास पोस्ट भी लिखा है। पहली फोटो में आलिया 'गंगूबाई काठियावाड़ी' का सिग्नेचर पोज करते नजर आ रही है। वहीं दूसरी फोटो में आलिया अपने चेहरे की खुशी को दिखा रही है।इन तस्वीरों को शेयर करते हुए आलिया ने लिखा, संजय सर को..पूरी टीम को..मेरे परिवार के लिए..मेरी टीम को और मेरे दर्शकों के लिए..ये राष्ट्रीय पुरस्कार आपका है, क्योंकि आपके बिना ये कुछ भी संभव नहीं होगा। सचमुच!!! मैं बहुत आभारी हूं..मैं ऐसे क्षणों को हल्के में नहीं लेता..मुझे आशा है कि मैं जब तक संभव हो मनोरंजन करती रहूंगा.. प्यार और रोशनी.. गंगू (जिसे आलिया के नाम से भी जाना जाता है)। आलिया भट्ट ने अपने पोस्ट में कृति सैनन को भी बधाई दी है। आलिया ने लिखा, कृति मुझे याद है कि जिस दिन मैंने मिमी देखी थी उस दिन मैंने आपको मैसेज किया था। यह इतना ईमानदार और शक्तिशाली प्रदर्शन था।

नव्या नवेली नंदा ने महिला केंद्रित कहानियों के साथ कॉमिक बुक्स की दुनिया में कदम रखा

मुंबई/एजेन्सी

नव्या नवेली नंदा ने खुद कॉमिक बुक की संपादकीय टीम के साथ मिलकर कॉमिक्स की दुनिया में कदम रखते हुए कहानियां लिखी हैं। इससे पहले उद्यमी नव्या नवेली नंदा ने विरासत कॉमिक्स प्रकाशन, 'टिंकल' के साथ अपने सहयोग की घोषणा की थी। ये कहानियां महिला-केंद्रित विषयों पर होंगी क्योंकि इस सहयोग में उनके 'प्रोजेक्ट नवेली' की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विशेष सहयोग कॉमिक बुक सितंबर 2023 के अंत में लॉन्च होने वाली है।

उत्साहित नव्या नवेली नंदा ने कहा कि मैं टिंकल को पढ़ते हुए बड़ी हुई हूं। मेरे लिए वर्षों बाद कहानियों का एक नया सेट बनाने में उनके साथ सहयोग करना एक पूर्ण चक्र है। इनमें से कुछ कहानियों को जीवन में लाने के लिए टिंकल संपादकीय टीम के साथ काम करना वास्तव में एक रोमांचक प्रक्रिया रही है, और वह भी महिलाओं से संबंधित कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण विषयों पर। नव्या नवेली नंदा ने आगे कहा कि मैं इसके जल्द ही सामने आने का इंतजार कर रही हूं, ताकि हर कोई टिंकल की जादुई दुनिया के माध्यम से अपने बचपन को फिर से जी सके, लेकिन इस बार वो भी कुछ ट्विस्ट के साथ।

नव्या ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर साझेदारी की घोषणा की तस्वीरें भी शेयर की। नव्या की कहानियां टिंकल ऐप पर उपलब्ध होंगी। अमर चित्र कथा प्राइवेट लिमिटेड की अध्यक्ष और सीईओ प्रीति व्यास ने कहा कि हमें प्रोजेक्ट नवेली के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। अमर चित्र कथा और टिंकल में, हम उन साझेदारों के साथ सहयोग करने का प्रयास करते हैं जो बच्चों को शिक्षित करने और युवाओं को सशक्त बनाने में मदद करने वाले मुद्दों का समर्थन करने के समान विजन साझा करते हैं। प्रोजेक्ट नवेली के साथ हमारे सहयोग के माध्यम से, हमारा लक्ष्य ऐसे एक नहीं बल्कि कई विषयों से निपटना है।

कंगना की शिकायत पर जावेद अख्तर के खिलाफ कार्यवाही पर अदालत ने रोक लगायी

मुंबई/भाषा

मुंबई की एक सत्र अदालत ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की ओर से दर्ज करायी गयी शिकायत के सिलसिले में वरिष्ठ गीतकार जावेद अख्तर के खिलाफ कार्यवाही पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। जावेद अख्तर के अधिवक्ता जय भारद्वाज ने कहा, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (दिंडोशी अदालत) ए.जेड. खान ने आदेश पारित किया। कंगना की शिकायत पर एक मजिस्ट्रेट द्वारा अख्तर को जारी समन के खिलाफ उनकी पुनरीक्षण याचिका पर अदालत सुनवाई कर रही थी। अभिनेत्री ने अपनी शिकायत में अख्तर पर ''जबरन वसूली और आपराधिक धमकी'' का आरोप लगाया है। अंधेरी मेट्रोपॉलिटिन मजिस्ट्रेट की अदालत ने 24 जुलाई को समन जारी करते हुए जबरन वसूली का आरोप हटा दिया था। अदालत ने हालांकि कहा था कि अख्तर के खिलाफ आपराधिक धमकी के मामले को आगे बढ़ाने के लिये पर्याप्त आधार हैं ।

सत्र अदालत में अख्तर की पुनरीक्षण याचिका में कहा गया कि समन ''जल्दबाजी और अनुचित तरीके'' से जारी किया गया है। अख्तर की पुनरीक्षण याचिका पर कंगना ने इस बीच बृहस्पतिवार को अपना जवाब दाखिल कर दिया । अख्तर (76) ने 2020 में रानौत के खिलाफ एक शिकायत दर्ज करायी थी, जिसमें अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की कथित आत्महत्या के बाद एक टेलीविजन साक्षात्कार में गीतकार के खिलाफ मानहानिकारक बयान देने का आरोप लगाया गया था।

भारत की सूझबूझ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। अब ब्रिक्स का विस्तार करने का फैसला किया गया है। अब ब्रिक्स देशों में 6 नए देश अर्जेंटीना, इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और यूएई जुड़ जाएंगे।

साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में आखिर इसके विस्तार का फैसला हो गया। फैसले के मुताबिक पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका- के इस संगठन में अगले साल 1 जनवरी को छह नए सदस्य- अर्जेंटीना, इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और यूएई- जुड़ जाएंगे। वैसे ब्रिक्स के विस्तार पर चर्चा काफी पहले से हो रही है। 2009 में इस संगठन के अस्तित्व में आने के एक साल बाद यानी 2010 में ही इसमें साउथ अफ्रीका को जोड़ लिया गया। उसके बाद से ही नए सदस्यों की एंट्री पर जब-तब चर्चा होती रही है। लेकिन पिछले कुछ समय से यह मुद्दा काफी जोर पकड़ चुका था, जिसकी दो बड़ी वजहें रहीं। एक तो यह कि ग्रुप से जुड़ने की चाहत रखने वाले देशों की संख्या बढ़ती चली गई। 22 देश इस मंच का हिस्सा बनने के लिए बाकायदा आवेदन कर चुके हैं। 40 से ज्यादा देश इसकी इच्छा जता चुके हैं। दूसरी वजह यह रही कि बदले वैश्विक हालात के मद्देनजर चीन इस पर बहुत जोर दे रहा था। इसे देखते हुए यह आशंका जताई जा रही थी कि शायद भारत इस मसले पर ज्यादा पॉजिटिव रुख न दिखाए। चीन के सरकार नियंत्रित मीडिया ने कुछ दिन पहले पश्चिमी देशों पर आरोप भी लगा दिया कि वे नहीं चाहते विस्तार के बाद ब्रिक्स एक मजबूत संगठन बनकर उभरे, इसलिए भारत और चीन में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं।

हटे 'बोर्ड' का बोझ

जब से नई शिक्षा नीति आई है, तभी से लगातार स्कूलों के सिलेबस और बोर्ड परीक्षाओं में बदलाव हो रहा है। हाल ही में NCF को जारी किया गया। NCF में बोर्ड परीक्षाओं का बोझ भी कम होना चाहिए। इसके लिए 12वीं साल में दो बार परीक्षाएं कराई जा सकती हैं।

जब से नई शिक्षा नीति आई है, तभी से लगातार स्कूलों के सिलेबस और बोर्ड परीक्षाओं में बदलाव हो रहा है। हाल ही में NCF को जारी किया गया। NCF में बोर्ड परीक्षाओं का बोझ भी कम होना चाहिए। इसके लिए 12वीं साल में दो बार परीक्षाएं कराई जा सकती हैं।

एक अहम व्यवस्था जिसे ड्राफ्ट और फाइनल दोनों में जस का तस रखा गया है, 12वीं के बोर्ड एग्जाम से जुड़ी है। NCF के मुताबिक, 12वीं क्लास में बोर्ड एग्जाम साल में दो बार हुआ करेंगे। स्टूडेंट्स अपनी मर्जी और तैयारी के मुताबिक विषय चुनकर इनमें बैठ पाएंगे और बाकी विषय अगली बार के लिए रख सकेंगे। इतना ही नहीं, उन्हें दोनों परीक्षाओं में बैठने और बेस्ट स्कोर रखने का भी अधिकार होगा। जाहिर है, इस व्यवस्था का मकसद स्टूडेंट्स पर बोर्ड एग्जाम का दबाव कम करना है। संपूर्णता में देखा जाए तो NCF की तमाम सिफारिशें 2020 में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों और भावनाओं के अनुरूप हैं। NCF की भूमिका स्कूली पाठ्यक्रम, पढ़ाने के तौर-तरीके वगैरह तय करने का पैमाना तैयार करने की होती है। हालांकि शिक्षा राज्य सूची का विषय है और इसीलिए खासकर राज्य शिक्षा बोर्डों के लिए इसकी सिफारिशें बाध्यकारी नहीं हैं। फिर भी देश में स्कूली शिक्षा को बदलते दौर की जरूरतों और वैश्विक मानदंडों के अनुरूप ढालने और इसके साथ-साथ बच्चों को अपनी जड़ों से भी जोड़े रखने के लिहाज से ये खासे महत्वपूर्ण हैं। हां, यह देखना जरूरी है कि इस पर अमल करते हुए भी वह संवेदनशीलता बनाए रखी जाए जो ड्राफ्ट को अंतिम रूप देते हुए दिखाई गई ताकि व्यवहार में अगर उम्मीदों के मुताबिक नतीजे आते न दिखें तो आवश्यक फेरबदल करने में ज्यादा मुश्किल न हो।

मार्ग-दर्शन

राष्ट्रभक्ति का रूप है कर्तव्यनिष्ठा

यह घटना जापान में कई वर्षों पूर्व घटी थी। एक जहाज जापानी बंदरगाह पर आया। उसे देखकर जापानी तट पर अधिकारी यात्रियों के सामान की जांच करने आए। चूंकि यह उनकी नियमित प्रक्रिया का हिस्सा होता है, अत: वे तेजी से यात्रियों के ट्रंक , सूटकेस, टोकरियों व अन्य सामान की सूक्ष्मता से तलाशी लेने लगे। यदि यात्री कहता कि इसमें कस्टम का माल नहीं है तो वे उसके कथन की परख कर उसे ससम्मान आगे जाने के लिए कह देते। यदि किसी का सामान कस्टम के अंतर्गत आता तो नियमानुसार उससे राशि लेकर उसे जाने देते। इसी दौरान इन जापानी अधिकारियों के पास किसी अन्य देश का एक व्यापारी आया। उसने कहा, 'मेरे पास फलों की कुछ टोकरियां हैं। इन्हें मैं आपके अधिकारियों, मंत्रियों और व्यापारियों को भेंट करना चाहता हूं।' उसकी बात सुनकर जापानी अधिकारियों ने पूछा, 'इन टोकरियों में कौन से फल हैं और आप इन्हें किस रूप में व क्यों भेंट करना चाहते हैं?' व्यापारी ने हंसकर कहा, 'इसमें अत्यंत रसीले आम हैं, जिन्हें खाकर जापानी अधिकारी, मंत्री व व्यापारी बहुत आनंदित होंगे। मैं अपनी ओर से उपहार के रूप में इन्हें भेंट कर रहा हूं। आप लोग भी खाकर देखिए।' जापानी अधिकारी समझ गए कि व्यापारी फलों के रूप में रिश्वत देना चाहता है। अत: वे लोग बोले, 'क्षमा कीजिए। हमें ऐसे फल नहीं चाहिए जो हमारे देश के लोगों को अपने कर्तव्य से डिगा सकें।' यह कहकर उन्होंने फलों की टोकरियां समुद्र में फिंकवा दीं। कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रभक्ति का ही एक रूप है जो संबंधित देशवासियों की नैतिक उच्चता को दर्शाता है। इसी से राष्ट्र की शीघ्र उन्नति के द्वार खुलते हैं।

जीने की राह

कर्म का परिणाम विवेक-बुद्धि पर

जब हम कोई काम करते हैं और परिणाम के लिए परेशान होते हैं तब हमारे भीतर तनाव का जन्म होता है। बड़े-बूढ़े समझा गए हैं कि काम खूब करो पर परेशान होने की जरूरत नहीं है। लेकिन ऐसा कैसे हो? कर्म शुरू होते ही झंझटें आरंभ हो जाती हैं। चलिए कर्म, परिणाम और तनाव इन तीनों पर आध्यात्मिक दृष्टि से विचार करें। कर्म की प्रेरणा मन से आती है। मन और कर्म एक -दूसरे के पूरक हैं। कर्म के सही-गलत होने का निर्णय बुद्धि देती है। अगर मन हावी है तो बुद्धि की नहीं चलेगी और यदि बुद्धि प्रबल है तो मन को फटकार देगी। कहते हैं कि कान से काम लेते वक्त हम कम जागरूक होते हैं। जबकि आंख से काम लेते हैं तो अधिक होश में रहते हैं। कान और आंख के बीच चाहे फासला अधिक न हो, लेकिन इनके जरिये लिए निर्णयों में जमीन-आसमान का फर्क होता है। कान को सत्य से कोई लेना-देना नहीं होता। शब्द आए और सुन लिया। लेकिन आंख के साथ ऐसा नहीं है, क्योंकि उसकी क्रिया में एक सत्य छिपा है। मन कान की तरह है और बुद्धि आंख की तरह। इसलिए जब हम कर्म करें तो केवल शब्द सुनकर न करें, बल्कि समझ के साथ करें। इससे हम परिणाम के सुख और दुख से मुक्त होंगे। बच्चों में और मानसिक विक्षिप्त लोगों में कर्म के परिणाम के प्रति एक बेफिक्री होती है। पशुओं को भी बोध नहीं होता कि हम जो काम कर रहे हैं, उसके परिणाममें सुख-दुख मिलेगा। मनुष्य में ऐसी योग्यता होन से कर्म का परिणाम उसके अपने विवेक - बुद्धि पर रहेगा।

भारत में शुरू हुआ अंतरिक्ष विज्ञान का नया युग, चंद्रयान-3 से दुनिया को बड़ी खोज की आशा

असाधारण दबावों और चुनौतियों का सामना करते हुए इसरो ने चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर को चंद्रमा की 70 डिग्री दक्षिणी अक्षांश रेखा के पास बिल्कुल सटीक तरीके से उतार दिया है। अंतरिक्ष विज्ञान के प्रायोगिक इतिहास में इस तरह की उपलब्धि पहली बार हासिल की गई है। पृथ्वी के दूसरी तरफ पड़ने वाली चंद्रमा की अदृश्य सतह पर लंबे समय तक अपना रोवर यूटू-2 चलाने का गौरव चीन ने भी हासिल किया है, लेकिन इस काम के लिए उसने चंद्रमा की भूमध्यरेखा का नजदीकी इलाका ही चुना था। लेकिन खनिजों की दृष्टि से समृद्ध समझा जाने वाला चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुवीय इलाका इतना ऊबड़-खाबड़ है, और पृथ्वी से पल-पल का संवाद बनाए रखना वहां इतना कठिन है कि वैज्ञानिक इसे अजेंडा पर ही लाने से बचते रहे हैं।

इसरो के लिए एक और दबाव ऐन मौके पर पेश हो गया था। चार साल पहले चंद्रयान-2 के मंजिल पर पहुंचने से सिर्फ तीन मिनट पहले उसके साथ संवाद टूट गया था। ऊपर से रूस ने बिना किसी सूचना के 11 अगस्त को अपना यान छोड़ा और 15-16 अगस्त को उसे चंद्रमा की कक्षा में स्थापित भी कर दिया। इसके साथ ही रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोसकॉसमॉस से इसरो की तुलना शुरू हो गई कि एक वे हैं जो पांच दिन में पाला छू लेते हैं और एक हम हैं कि यही काम 35 दिन में करते हैं।

ऊपर से तुर्रा यह कि रूसियों ने चंद्रयान से दो दिन पहले 21 अगस्त को ही अपना लूना-25 चंद्रमा उतारने की घोषणा कर रखी थी, वह भी विक्रम लैंडर से जरा और दक्षिण में। यानी भारत को चंद्रमा पर यान उतारना है तो उतार ले, लेकिन पहला उपग्रह छोड़ने, पहली बार इंसान को अंतरिक्ष में भेजने और चंद्रमा पर पहली बार गाड़ी दौड़ाने की तरह सबसे दक्षिण में और सबसे पहले अपना यान चंद्रमा पर उतारने का रेकॉर्ड तो रूस ही बनाएगा! लेकिन जब लूना-25 अपनी कक्षा बदलने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया तो दबाव और बढ़ गया कि जो काम रूस से न हो पाया, वह भारत से कैसे होगा। एक बहुत बड़ी समस्या इधर 140 करोड़ से ज्यादा भारतीयों की अपेक्षा से भी पैदा होने लगी है, जिसकी शिकायत हमारे क्रिकेटरों को लंबे समय से रही है। सोचने की बात है कि सारे वैज्ञानिक काम यदि इसी तरह राष्ट्रीय भावना से जोड़ कर देखे जाने लगे तो क्या भारत में कोई नया रामानुजन, सीवी रमन या जगदीशचंद्र बोस खड़ा हो पाएगा?

अंतरिक्ष विज्ञान के प्रायोगिक इतिहास में इस तरह की उपलब्धि पहली बार हासिल की गई है। पृथ्वी के दूसरी तरफ पड़ने वाली चंद्रमा की अदृश्य सतह पर लंबे समय तक अपना रोवर यूटू-2 चलाने का गौरव चीन ने भी हासिल किया है, लेकिन इस काम के लिए उसने चंद्रमा की भूमध्यरेखा का नजदीकी इलाका ही चुना था। लेकिन खनिजों की दृष्टि से समृद्ध समझा जाने वाला चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुवीय इलाका इतना ऊबड़-खाबड़ है, और पृथ्वी से पल-पल का संवाद बनाए रखना वहां इतना कठिन है कि वैज्ञानिक इसे अजेंडा पर ही लाने से बचते रहे हैं।

बहरहाल, इसरो का काम कितना पक्का था, इसका अंदाजा लगाने के लिए चंद्रयान-3 की उतराई का लाइव ग्राफ देखना देश-दुनिया के लिए काफी रहा होगा। यह हर बिंदु पर ठीक वैसा ही रहा, जैसा इसके होने की उम्मीद थी। साइंस-टेक्नॉलजी के मामले में रूस की गति भारत से एक सदी आगे समझी जाती है। इसके बावजूद लूना-25 को पार्किंग ऑर्बिट से लैंडिंग ऑर्बिट में लाने वाले थ्रस्टर्स ने ऑटोमेटिक कमांड समझने में चूक कर दी और वह अस्थिर कक्षा में पहुंचकर नष्ट हो गया। लेकिन चंद्रयान-3 के एक-एक थ्रस्टर ने कमांड के मुताबिक काम किया। यकीनन इसमें बहुत बड़ी भूमिका चंद्रयान-2 से हासिल किए गए तजुर्बे की रही।

इस अभियान की अगली चुनौती लैंडिंग के चार-पांच घंटे गुजर जाने पर प्रज्ञान रोवर को चंद्र सतह पर चलाने और चौदह दिनों के एक चंद्र-दिन में लैंडर और रोवर के लिए निर्धारित सारे प्रयोग पूरे करने की है। जाहिर है, ये प्रयोग सिर्फ भारत के लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए मायने रखते हैं। इनमें एक का संबंध चंद्रमा के वायुमंडल के बारे में जानकारियां जुटाने का है। जी हां, जहां हवा के नाम पर कुछ भी नहीं है, उस चंद्रमा का वायुमंडल! वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 127 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने वाला चंद्र-सतह का तापमान वहां कुछ इंच या फुट की ऊंचाई तक आवेशित कणों और वाष्पित हो सकने वाले पदार्थों का बहुत हल्का गैसीय घोल तैयार करता होगा। ऐसे पदार्थ भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में भले नगण्य हों लेकिन विक्रम की लैंडिंग साइट पर ये हो सकते हैं।

एक महत्वपूर्ण प्रयोग यह भी होना है कि चंद्रमा की सतह कैसे गरम होती है, सूरज से आने वाला रेडिएशन कितनी गहराई तक प्रवेश करता है और इंसानी रिहाइश के लिए जमीन खोदकर या किसी और तरीके से न्यूनतम कितनी आड़ वहां जरूरी होगी। एक बड़ा प्रयोग भूकंपों के मामले में किया जाना है। चंद्रमा को भूगर्भीय रूप से मृत, 'जियोलॉजिकली डेड' बताने का चलन पुराना है लेकिन ऑर्बिटर उपग्रहों को वहां भूकंप जैसे कुछ संकेत भी मिले हैं। भारतीय भूकंपमापी वहां जो प्रेक्षण लेंगे, उनसे चंद्रमा की टेक्टॉनिक हलचलों का पता चलेगा।

क्या पानी मिलेगा?

और सबसे बढ़कर पानी, जिसके बारे में पहली प्रत्यक्ष जानकारी चंद्रयान-1 द्वारा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के एक क्रेटर में गिराए गए लूनर इंपैक्ट प्रोब से उठे गुबार की जांच के क्रम में दर्ज किए गए हाइड्रॉक्सिल आयनों के रूप में ही दुनिया के हाथ लगी थी। अच्छा हो कि विक्रम और प्रज्ञान चांद पर पानी के मामले में कोई पक्की खोज कर डालें। इसमें कोई शक नहीं कि चंद्रमा पर विक्रम के उतरने के साथ सिर्फ भारत ही नहीं, दुनिया के अंतरिक्ष विज्ञान में एक नया युग शुरू हो रहा है। इसके बाद चंद्रमा के साथ इंसान का रिश्ता उस तरह कभी नहीं टूटेगा, जैसे 1960 और 70 के दशक में हासिल की गई महान उपलब्धियों के बावजूद आधी सदी तक टूटा ही रह गया था।

इनक्रेडिबल इंडिया

चंद्रयान-3 की चांद पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर भारत ने इतिहास तो रच दिया है। इसरो को, इस मिशन में लगी पूरी टीम को ही नहीं देश की पूरी वैज्ञानिक बिरादरी को इसके लिए जितनी बधाई दी जाए कम है। यह वास्तव में देश की उस वैज्ञानिक चेतना और सूक्ष्म दृष्टि का कमाल है, जो तमाम बाधाओं के बावजूद पिछले 61 साल से हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम आगे बढ़ता रहा है। हमने पहले चांद पर पानी खोजा और अब चांद के दूसरे सिरे पर भी पहुंच गए। निश्चित रूप से यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और अंतरिक्ष अनुसंधान के अगले चरण में इसका फायदा पूरी दुनिया को मिलेगा। इस मौके पर अपनी इस असाधारण, अभूतपूर्व उपलब्धि पर गर्व करते हुए उन बाधाओं पर भी एक नजर डाल लेना उचित होगा, जिनके बावजूद हमने यह लक्ष्य हासिल किया और जिनके हटने से आगे हमारी रफ्तार कई गुना तेज हो सकती है। इस लिहाज से पहला फैक्टर तो बजट ही दिखता है। हम अक्सर इस बात पर गर्व करते रहे हैं कि हमारे वैज्ञानिक कितने कम खर्च में शानदार काम कर रहे हैं। इस बार भी बताया जा रहा है कि चंद्रयान-3 को चांद

पर पहुंचाने की लागत हॉलिवुड की हाल में रिलीज हुई फिल्मों- ओपनहाइमर और बार्बी- से कितनी कम है। लेकिन यह नहीं सोचते कि आखिर कम से कम खर्च में काम चलाने की मजबूरी हमारे वैज्ञानिकों की संभावना को कितना प्रभावित करती होगी। 2023-24 में स्पेस एक्टिविटीज के लिए आवंटित बजट 12,544 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल यानी 2022-23 के मुकाबले 8 फीसदी कम है। ध्यान रहे, इसरो की कमाई का मुख्य जरिया इसके सैटलाइट लॉन्चर्स हैं। जुलाई 2023 तक इसरो ने 36 देशों के 431 सैटलाइट लॉन्च किए हैं। जुलाई 2022 तक विदेशी सैटलाइट की लॉन्चिंग से इसरो को कुल 22.3 करोड़ डॉलर की कमाई हुई है। वह भी तब, जब भारत रॉकेट लॉन्च करने की क्षमता से लैस टॉप 10 देशों में शामिल है। आज की तारीख में ग्लोबल स्पेस इकॉनमी में भारत की हिस्सेदारी महज 2 फीसदी है। सरकार का लक्ष्य है कि दशक के अंत तक मार्केट के 9 फीसदी हिस्से पर कब्जा हो जाए। इस संदर्भ में एक कंसल्टिंग फर्म आर्थर डी लिट्ल का यह आकलन गौर करने लायक है कि मौजूदा रफ्तार से 2040 तक भारत की स्पेस इकॉनमी 40 अरब डॉलर की होगी। लेकिन संभावनाओं की बात की जाए तो भारत में 2040 तक 100 अरब डॉलर की स्पेस इकॉनमी बनने की क्षमता है। जाहिर है, यही वक्त है जब इसरो को अपनी महत्वाकांक्षाओं को फिर से नापने की और सरकार को इस काम में उसकी हर संभव मदद करने की जरूरत है। ताजा उपलब्धि से इसरो की राह में अवसरों की लाइन लगनी तय है, अहम सवाल यह है कि क्या इसरो और भारत उन अवसरों का सही इस्तेमाल करने की स्थिति में होगा?

कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना

बड़े दिनों बाद दो पुराने मित्रों से बात हुई। पता चला कि दोनों एक जैसी उलझन से घिरे हुए हैं। उनके बच्चे परिवार की उम्मीदों के विपरीत अपने भविष्य की एक अलग राह तय करना चाहते हैं, जिससे घर में महाभारत छिड़ी हुई है। एक मित्र के खानदान में दो पीढ़ियों से लगभग सभी लोग डॉक्टर हैं। उनका अपना एक अस्पताल भी है। अब इस विरासत को संभालने के लिए अगली पीढ़ी को तैयार किया जा रहा है। लेकिन उनके बेटे की इसमें ज़रा भी दिलचस्पी नहीं। उसका मन शुरू से थिएटर और डिबेट्स में ही रमता था और वह इसी में अपना करियर भी बनाना चाहता है। उसे क्या मालूम कि जिस घर में वह पैदा हुआ है, वहां जन्म लेते ही बच्चे का भविष्य तय हो जाता है। अब उन डॉक्टर साहब की सबसे बड़ी चिंता यही है कि वर्षों की मेहनत के बाद उनके परिवार ने इतना नाम कमाया है, बेटा उस परंपरा को आगे बढ़ाने के बजाय आर्टिस्ट बनेगा तो लोग क्या कहेंगे।

दूसरे मित्र की बेटी ऑफिस के अपने एक कुलीग से शादी करना चाहती है। लड़के में कोई बुराई नहीं है, बस वह उनके समाज

का नहीं है, इसे लेकर घरवाले शादी के लिए तैयार नहीं हो पा रहे हैं। उनका कहना है कि खानदान में आज तक किसी ने समाज से बाहर शादी नहीं की, मेरे घर में ऐसा हुआ तो लोग क्या कहेंगे, किस-किस को जवाब देंगे।

दोनों की बातें सुनकर मन में ख्याल आया कि आखिर ये कौन लोग हैं, जिनकी चिंता में हम अपनी ज़िंदगी गुज़ार देते हैं। हो सकता है कि जिनके बारे में सोच-सोचकर हम जीवन के अहम फैसले नहीं ले पाते, उन्हें हमसे कोई फर्क भी न पड़ता हो। देखिए, हम कुछ भी कर लें, जिन्हें कहना होगा, वो तो तब भी कहेंगे। एक पुरानी कहानी है ना कि बाप-बेटा बाज़ार से खच्चर खरीद कर ला रहे थे। घर दूर था, तो बेटे ने पिता से कहा कि आप खच्चर पर बैठ जाइए। रास्ते में लोगों ने देखा तो तंज कसने लगे कि देखो कैसा बाप है, खुद बैठ गया और बेटा ऐसे जा रहा है।

यह सुनते ही पिता उतर गए और बेटे को बैठा दिया। थोड़ा आगे चले ही थे कि फिर आवाज़ आई- कैसा बेटा है, खुद बैठ गया और बाप पैदल चल रहा है। अब दोनों एकसाथ उस पर बैठ गए तो तंज आया कि कैसे लोग हैं, बेचारे खच्चर पर इतना ज़ुल्म ढा रहे। यह सुनकर दोनों उसके साथ पैदल ही चलने लगे तो लोग हंसने लगे कि देखो कैसे बेवकूफ हैं, इनके पास खच्चर है, तब भी पैदल जा रहे। तो इस कहानी का सबक यह है कि आप कुछ भी करें, दुनिया सवाल करेगी ही, हर बात पर टोकेगी, बिन मांगे सलाह देगी।

लोग क्या कहेंगे, क्या सोचेंगे, इसकी जितनी परवाह करेंगे, उतना परेशान होंगे, कोई काम नहीं कर पाएंगे, जीवन जी ही नहीं पाएंगे। इस बात को हिंदी फिल्मों के मशहूर गीतकार आनंद बख्शी साहब ने फिल्म अमर प्रेम में कितने खूबसूरत शब्दों से समझाया है- 'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना, छोड़ो बेकार की बातों में कहीं बीत ना जाए रैना'। कहने वालों ने तो महापुरुषों को भी नहीं छोड़ा तो हम क्या चीज़ हैं। इसलिए गैरों की फिक्र करना छोड़ दें। बच्चों के किसी फैसले से अगर हमें कोई आपत्ति नहीं तो कोई क्या कहेगा, इस बात से परेशान होने की ज़रूरत ही नहीं। इसके साथ ही यह बात भी समझनी होगी कि हम अपनी इच्छाओं का बोझ बच्चों पर क्यों लादें। क्यों ज़रूरी हो कि डॉक्टर का बेटा डॉक्टर, इंजीनियर का बेटा इंजीनियर, वकील का बेटा वकील और एक्टर का बेटा एक्टर ही बने। हर इंडीविजुअल अलग होता है, उसके अपने अलग इंटरेस्ट होते हैं। इस बात को समझ लेंगे तो किसी की चिंता करने की ज़रूरत ही नहीं रहेगी।

दैनिक पंचांग

27 अगस्त 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.15 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	09.25 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.40 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.56 बजे से
गुरु	मेष में	मकर	16.01 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.48 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	19.20 बजे से
राहु	मेष में	मेष	20.51 बजे से
केतु	तुला में	वृष	22.31 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मिथुन	00.29 बजे से
		कर्क	02.43 बजे से
		सिंह	04.59 बजे से

रविवार 2023 वर्ष का 239 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 21.33 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 07.16 बजे तदनन्तर पूर्वाषाढ़ा 05.15 बजे प्रात: को समाप्त।
योग प्रीति 13.26 बजे को समाप्त।
करण वणिज 10.56 बजे तदनन्तर विष्टि 21.33 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871718
जूलियन दिन 2460183.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1445
महीना सफर **तारीख** 10
विशेष श्रावण पुत्रदा एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 27 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-5-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगें। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-2-4-6

प्रसंगत: समर्पण की भावना

संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान वाचस्पति मिश्र को विवाह हुए छत्तीस वर्ष गुजर गये थे, किन्तु वे यह भी नहीं जानते थे कि उनकी पत्नी कौन है? एक दिन वे ब्रह्मसूत्र के शंकर भाष्य पर टीका लिख रहे थे, किन्तु एक पंक्ति कुछ ढंग से नहीं लिखी जा रही थी। दीपक भी कुछ धुंधला हो चला, शायद ठीक तरह से दिख भी नहीं रहा था। उनकी पत्नी दीपक की लौ बढ़ा रही थी। इतने में वाचस्पति मिश्र की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने पूछा- ''तुम कौ

अनार का रस रोज पीजिये क्योंकि ये थामेगा आपकी बढती उम्र

अनार के जूस का सेवन करते हैं तो हमारे शरीर से यूरोलिथिन ए प्रोड्यूस होती है जो कि एक प्रकार की मॉलीक्यूल है। जब यह मॉलीक्यूल, गट में माईक्रोबेस के द्वारा बदल जाती है तो यह मांसपेशियों की कोशिकाओं की रक्षा करता है

अनार के गुणों के बारे में हम सभी परिचित हैं। अनार का जूस, शरीर में रक्त की मात्रा में बढोत्तरी करता है, शरीर को भरपूर ऊर्जा देता है और रोगी के शरीर में क्षमता को बढाता है ताकि वह जल्द से जल्द स्वस्थ हो सकें। जब हम अनार के जूस का सेवन करते हैं तो हमारे शरीर से यूरोलिथिन ए प्रोड्यूस होती है जो कि एक प्रकार की मॉलीक्यूल है। जब यह मॉलीक्यूल, गट में माईक्रोबेस के द्वारा बदल जाती है तो यह मांसपेशियों की कोशिकाओं की रक्षा करता है और उन्हें उम्र बढने के साथ बढने वाले प्रभावों को स्पष्ट होने से रोकता है। जी हां, इसका मतलब यह है कि अनार के जूस का सेवन करने से बढती उम्र के प्रभाव थम जाते हैं और त्वचा भी दमकदार बनी रहती है। जब हमारी उम्र बढती है तो हमारे शरीर की कोशिकाएं, माईटोकॉन्ड्रिया रिसाइकल करने के लिए तेजी से स्ट्रगल करने लगती है, जिसे कोशिकाओं का पॉवरहाउस भी कहा जाता है और वे, उनके वाइटल फंक्शन को करने के लिए बहुत लम्बे समय तक सक्षम नहीं होती हैं और इस प्रकार, यह कोशिकाओं में संचय हो जाता है। यह अपक्षय, शरीर के कई ऊतकों पर प्रभाव डालता है, मांसपेशियों पर भी प्रभाव डालता है, जो समय के साथ-साथ कमजोर होती जाती हैं और उम्र सम्बंधी बीमारियों को बढावा देती हैं।

लेकिन अनार में पाया जाने वाला यूरोलिथिन ए, कोशिकाओं में नई ऊर्जा का संचार कर देता है, उनमें डिफेक्टिव माइटोकॉन्ड्रिया के घटकों को रिसाइकिल करने की क्षमता आ जाती है और इस प्रकार, एक नई प्रक्रिया पुन: शुरू हो जाती है और बढती उम्र के प्रभाव थम जाते हैं। इस बारे में समस्त अध्ययन को स्विटजरलैंड में एक रिसर्च इंस्टीट्यूट में पैट्रिक एबीसेचर ने किया है। एबीसेचर का कहना है कि अनार का जूस, पूरी तरह से प्राकृतिक पदार्थ है जो कि शरीर को भरपूर ताकत और ऊर्जा देता है। अध्ययन को करने के लिए, टीम ने सबसे पहले हाईपोथेसिस को टेस्ट किया और उसके बाद उन्होंने परीक्षण को आखिरी रूप में किया। इस पूरे अध्ययन में उन्हें चौंकाने वाले परिणाम मिले कि 8-10 दिन में ही एंटी-एजिंग इफेक्ट दिखना शुरू हो गया था। साथ ही अध्ययन में यह भी निष्कर्ष निकले हैं कि, यूरोलिथिन ए, हमारी आंतों को स्वस्थ बनाता है और पाचन क्रिया को दुरूस्त करता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस अध्ययन को मानवों पर करने से पहले चूहों पर लगभग 2 साल तक किया गया था कि यूरोलिथिन का शरीर पर सूक्ष्म प्रभाव क्या होता है। एक नियंत्रित समूह में लगभग दो साल तक सभी चूहों का अंडरऑब्जर्वेशन में रखा गया था। बाद में, इससे मानवों पर करके निष्कर्ष को जर्नल में प्रकाशित किया गया।

फूल जैसा सुंदर चेहरा पाने के लिये लगाएं इन 6 फूलों के फेस पैक

फूलों जैसा सुंदर चेहरा पाने के लिये कुछ फेस पैक बनाने की वधि बताएंगे जिसे आप घर पर ही तैयार कर सकती हैं। त्वचा के स्वभाव के अनुसार गेंदा, गुलाब, चमेली, हिबिस्कस, लेवेंडर आदि फूलों से बने हुये फेस पैक के नियमित इस्तेमाल से स्किन बेदाग और चमकदार बनाई जा सकती है।

हर लडकी का ख्वाब चमकदार और स्पॉट लेस चेहरा पाना होता है। अगर स्किन स्वस्थ है तो खुद के अंदर आत्मविश्वास आता है और मूड भी बढिया रहता है।

ऐसा चेहरा पाने के लिये आपको किसी पार्लर जाने की जरुरत नहीं है क्योंकि आज हम आपको फूलों जैसा सुंदर चेहरा पाने के लिये कुछ फेस पैक बनाने की वधि बताएंगे जिसे आप घर पर ही तैयार कर सकती हैं। त्वचा के स्वभाव के अनुसार गेंदा, गुलाब, चमेली, हिबिस्कस, लेवेंडर आदि फूलों से बने हुये फेस पैक के नियमित इस्तेमाल से स्किन बेदाग और चमकदार बनाई जा सकती है।

फूल तो आपके घर पर ही मिल जाएंगे, तो बस करना सिर्फइतना है कि उनकी पंखुडियों का या तो पेस्ट बना कर इस्तमाल करें या फिर उन्हें सुखा कर पावडर बना कर लगाएं। अब आइये जानते हैं इन फूलों के फेस पैक को कैसे बनाया जाता है।

रोज और वीट मास्क

इसे बनाने के लिये 2 चम्मच गुलाब की पंखुडियों का पावडर, 1 चम्मच गेहूं का चोकर और 2 चम्मच दूध मिक्स करें। फिर इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और सूखने दें। फिर इसे धो कर चेहरा पोछ लें। आपके चेहरे पर ग्लो आ जाएगा।

चमेली और दही पैक

इस पैक को लगाने से चेहरे से डेड स्किन निकल जाएगी और चेहरे पर ग्लो आएगा। इससे आप गोरी भी दिखेंगी। इसे बनाने के लिये 1 चम्मच दही, 1 चम्मच शक्कर और मुठ्ठीभर चमेरी के फूलों की पंखुडियां पीस लें। इसे चेहरे पर लगाएं और सूखने दें फिर 15 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

लैवेंडर और ओट्स पैक

लैंवेडर आपकी त्वचा को स्क्रब करेगा और ओट्स आपकी स्किन को गोरा करेगा। इसे बनाने के लिये 1 चम्मच ओट्स का पावडर तैयार करें। उबली हुई लैवेंडर क ी पतियों को छान कर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट में ओट्स पावडर मिलाएं और चेहरे तथा गर्दन में लगाएं। सूखने के बाद चेहरा धो लें।

गुलाब और चंदन पैक

ऑइली स्किन के लिये यह पैक अच्छा होता है। इसे लगाने से चेहरे से पिगमेंटेशन दूर होगा और चेहरा साफबनेगा। इस पैक को बनाने के लिये 3 मध्यम आकार के गुलाब लें और उनकी पंखुडियों को उबाल लें। फिर इन्हें छान कर पीस लें और उसमें चंदन पावडर तथा दूध मिक्स कर के पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे तथा गर्दन पर लगाएं और जब यह सूख जाए तब ठंडे पानी से धो लें।

गुडहल, गुलाब और मुल्तानी मिट्टी पैक

यह एक ब्राइडल पैक भी है जिसे बनाने के लिये आपको 9-10 गुलाबी की पंखुडियां, मुठ्ठीभर गुडहल की पतियां और 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी और 1 चम्मच दही चाहिये। इन सभी चीजों का पेस्ट तैयार कर लें और चेहरे पर लगाएं। जब यह सूख जाए तब इसे हथेलियों पर हल्का पानी लगा कर चेहरे को स्क्रब करें। फिर चेहरे को धो लें, आपके चेहरे पर ग्लो आ जाएगा।

गेंदा और सूखा आंवला पैक

1 कप गेंदे के फूल की पंखुडियां, 1 चम्मच सूखा आमला पावडर, 2 चम्मच दही और 1-2 चम्मच नींबू का रस। इसे बनाने के लिये गेंदे की पंखुडियों को सुखा कर पावडर बना लें। फिर इसमें सूखे आमले का पावडर, नींबू का रस और दही मिला कर पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को चेहरे तथा गर्दन पर लगाएं और सूखने दें। फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

ब्रेकफास्ट में बनाइये एनर्जी से भरे लौकी पालक के पराठे

सामग्री- गेहूं का आटा- 1 1/2 कप ,लौकी- 1 कप ,पालक- 1 कप,उबला आलू- 2,लाल मिर्च पावडर- 1 चम्मच ,धनिया पावडर- 1 चम्मच ,काली मिर्च पावडर- 1/4 चम्मच ,हींग- चुटकीभर ,अजवाइन- 1 चम्मच ,नमक- स्वादअनुसार

विधि -

सबसे पहले आलू को 3 सीटी आने तक उबाल कर छील लें। फिर इसे मसल लें। दूसरी ओर पालक धो कर बारीक काटें और किनारे रखें।

फिर लौकी को भी छील कर घिस लें।

एक बडा कटोरा लें, उसमें सभी सामग्रियां मिला लें। इसमें पानी डालने की जरुरत नहीं है।

लौकी में से जो पानी निकले उसी से आटा गूथ लें। जब आटा गुथ जाए तब उसकी छोटी छोटी लोई तोड कर पराठे बनाएं।

तवे पर तेल लगा कर पराठों को दोनों ओर सेंके।

आपके लौकी पालक के पराठे तैयार हो गए, इन्हें चटनी और दही के साथ सर्व करें।

हेल्थ प्लस

जानिए तुलसी के 10 स्वास्थ्यवर्धक लाभ

प्राचीन काल से ही तुलसी का प्रयोग औषधि के रूप में किया जाता रहा है। वर्तमान समय में भी आयुर्वेद और घरेलू उपचार के रूप में तुलसी का अत्यधिक महत्व है। आइए जानते हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में तुलसी का प्रयोग किस तरह से किया जाता है।

तुलसी के पत्तों का प्रयोग, सर्दी जुकाम, खांसी, बुखार, सांस संबंधी समस्याओं के उपचार में तो किया ही जाता है, इसके अलावा स्मरण शक्ति को बढाने, आंखों की समस्याओं को दूर करने, मुंह के छालों की दवा के रूप में, पेशाब संबंधी रोगों एवं रक्त व हदय संबंधी रोगों के उपचार में भी तुलसी का बेहद महत्व है।

1 सर्दी-खांसी होने पर तुलसी की चाय या तुलसी के रस का सेवन काफी लाभदायक होता है। इसके अलावा कफहोने पर तुलसी को काली मिर्च के चूर्ण के साथ खाना फायदेमंद होता है।

2 त्वचा संबंधी रोगों के उपचार के लिए तुलसी के पत्तों के रस को नींबू के रस में मिलाकर लगाने से लाभ होता है। इसके लिए तुलसी के पत्तों का लेप भी चेहरे पर लगाया जाता है। फोडे-फुंसी होने पर भी तुलसी के पत्तों का लेप लाभदायक होता है।

3 पेट में दर्द होने पर तुलसी रस और अदरक का रस समान मात्रा में लेने से दर्द में राहत मिलती है। यह पाचन तंत्र को सुचारू रूप से कार्य करने में सहयता कर, पाचन को बेहतर बनाता है।

4 गले की समस्याओं जैसे गले में सूजन या खराश को दूर करने के लिए तुलसी के बीजों को शक्कर के साथ प्रयोग करने पर काफी लाभ मिलता है।

5 बुखार या फ्लू होने पर तुलसी के पत्तों को काली मिर्च, सौंठ तथा चीनी के साथ पानी में उबालकर पीने से बुखार और इस तरह की अन्य समस्याओं में आराम मिलता है। तुलसी के प्रयोग से मलेरिया बुखार का खतरा भी कम होता है।

6 कान में साधारण दर्द होने पर भी तुलसी का रस बेहद मददगार साबित हो सकता है। तुलसी की पत्तियों का रस गुनगुना करके कान में डालने से कान के दर्द में राहत मिलती है।

7 प्रतिदिन तुलसी की चाय पीने से आलस्य, निराशा, सिरदर्द, शरीर की ऐंठन या अकडन आदि समस्याएं नहीं होती और रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

8 प्रतिदिन तुलसी की कुछ पत्तियों को अच्छी तरह चबाकर खाने से खून साफ होता है, और स्मरण शक्ति मजबूत होती है। तुलसी के सेवन से तनाव नहीं होता और मानसिक शांति बनी रहती है।

9 प्रसव के समय तुलसी के पत्तों का रस पीने से प्रसव पीडा कम होती है। इसके अलावा तुलसी की जड का चूर्ण बनाकर पान में रखकर खाने से माहवारी में होने वाले अनावश्यक रक्तस्राव की समस्या नहीं होती।

10 पुरूषों में बल, वीर्य की वृद्धि के लिए तुलसी के बीजों का दूध के साथ प्रयोग करना फायदेमंद होता है। चेचक का प्रभाव कम करने के लिए भी तुलसी की मंजरी और अजवायन का सेवन लाभप्रद होता है।

नहीं आएगा हार्ट अटैक, रखें 5 बातों का ध्यान

व्यस्त और भागमभाग भरी दिनचर्या के साथ खानपान और मानसिक तनाव दिल की बीमारियों को जन्म दे सकता है। हदय रोग और दिल के दौरे की बढती संभावनाएं, वर्तमान में बडी सेहत समस्याओं में शुमार हो चुकी हैं। लेकिन अपनी दिनचर्या, खानपान और तरीकों में बदलाव कर आप दिल के दौरे या हृदय रोग की संभावनाओं को कम कर सकते हैं। जानिए 5 तरीके, जो दिल के दौरे की संभावना को 80 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं -

1 हेल्दी डाइट - हेल्दी डाइट या स्वस्थ खानपान, आपके दिल को स्वस्थ रखने के साथ-साथ दिल के दौरे की संभावना को कम करता है। बस आपको कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करनी होगी। आप चाहें तो डेयरी उत्पादों से तैयार कोलेस्ट्रॉल युक्त चीजों के बजाए, ऑर्गेनिक उत्पादों को ले सकते हैं। इसके अलावा अत्यधिक शर्करा और प्रोसेस्ड फूड, जो बाजार में रेडीमेट उपलब्ध होते हैं, उनसे दूरी बनाए रखें। हरी सब्जियों, फलों और सलाद को अपने भोजन में ज्यादा से ज्यादा शामिल करें और अधिक तेल और मसालेदार भोजन को कम कर दें।

2 शारीरिक श्रम - फिजिकल वर्कआउट, वसा के स्तर को कम करने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा नियमित एक्सरसाईज आपको फिट रखने में भी मदद करेगी। हर दिन कम से कम 45 मिनट पैदल जरूर चलें या फिर साइकल चलाएं। इसके अलावा प्रतिदिन 1 घंटे का समय एक्सरसाईज करने के लिए जरूर निकालें, ताकि वसा का जमाव न हो पाए और हदय के साथ शरीर के अन्य अंग भी स्वस्थ रहें।

3 अल्कोहल से दूरी - अगर आप अल्कोहल का सेवन करने के आदि हैं तो अपने दिल की खातिर आपको अल्कोहल से दूरी बनानी होगी। इस बात का ख्याल रखें कि अल्कोहल का सेवन करना ही है तो सीमित मात्रा में ही करें। 10 से 30 ग्राम की मात्रा से ज्यादा अल्कोहल न लें।

4 धूम्रपान - धूम्रपान का सेवन करने की आदत है, तो इसे बिल्कुल त्याग दें। यह फेफडों और दिल को बुरी तरह प्रभावित करता है साथ ही अल्कोहल के साथ धूम्रपान आपके लिए बेहद घातक साबित हो सकता है।

5 तनाव से बचें - मानसिक तनाव हार्ट अटैक की संभावना को कई गुना बढा देता है। तनाव लेने से बचें और खुद को हमेशा खुश और ऊर्जावान बनाए रखें। तनाव देने वाली बातों और लोगों से दूरी बनाए रखें, यह आपके स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

कान में आवाज गूंजना, टिनिटस की निशानी

यह टिनिटस नामक बीमारी हो सकती है। इसे रक्तवाहिनियों की समस्या या उम्र के साथ सुनने की शक्ति क्षीण होने से जोड़कर देखा जा सकता है। टिनिटस की समस्या में कानों के अंदर बिना किसी कारण आवाज गूंजती है। लेकिन इसका उपचार भी किया जा सकता है।

टिनिटस के लक्षण : कानों में सिसकारी, दहाड जैसी आवाजें, कानों का बजना एवं आवाज का कानों में गूंजते रहना, टिनिटस के प्रमुख लक्षणों में शामिल है। यह आवाजें समस्या की गंभीरता के अनुसार कम या ज्यादा तीव्रता लिए होती हैं। आवाज का गूंजना एक या दोनों कानों में भी हो सकता है। इसके अलावा यह समस्या कुछ दिनों तक या लंबे समय तक रह सकती है।

टिनिटस के प्रकार :

1 ज्यादातर लोगों को जो समस्या होती है, उसमें कान के अंदरूनी, बाहरी या बीच के भाग में परेशानी होती है। सुनने की क्षमता के लिए जिम्मेदार नसों में किसी प्रकार की समस्या का होना व्यक्तिपरक टिनिटस कहलाता है।

2 वहीं टिनिटस का एक और भी प्रकार है, जो कि वस्तुपरक होता है। इसका कारण यह है, कि यह केवल डॉक्टर द्वारा तकनीकी जांच में ही सामने आता है। इस तरह के टिनिटस में खून की धमनियों में समस्या होती है। यह काफी कम लोगों में देखने को मिलता है।

1 तेज आवाजों के संपर्क में आने के कारण यह समस्या पैदा हो सकती है। किसी फैक्ट्री या साउंड उपकरणों का शोर टिनिटस कर समस्या पैदा कर सकता है।

2 कान में वैक्स इकट्ठा होना भी इसका एक कारण है। कभी कभी हमारे कानों में अतिरिक्त मात्रा में मोम जम जाता है, जो टिनिटस की समस्या को जन्म दे सकता है।

3 कान की हड्डी का बढना भी इस समस्या के लिए जिम्मेदार हो सकता है, इससे सुनने की क्षमता पर विपरीत असर पडता है। ऐसा लगने पर डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

4 कई बार उम्र बढने के साथ सुनने की क्षमता क्षीण होने लगती है। यह भी टिनिटस की समस्या हो सकती है। साठ साल की उम्र के बाद इस समस्या का खतरा अधिक होता है।

टिनिटस का उपचार

1 कान को समय-समय पर साफकरते रहें। अगर आपके कान में काफी मोम जम गया है तो इसे निकालना बहुत जरूरी है इस बात का ध्यान रखें। इसके लिए सुरक्षति साधनों का प्रयोग करें।

क्या आपके कानों में बगैर किसी कारण के कोई आवाज गूंजती है। अगर आपका जवाब हां में है, तो सावधान हो जाइए, क्योंकि यह कोई आम समस्या नहीं है।

2 अत्यधिक शोर वाले स्थान से दूरी बनाएं रखें। यह आपकी श्रवण क्षमता को बुरी तरह से प्रभावित करता है।

3 आप चाहें तो कानों को ढंकने के लिए मास्क का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे शोर शराबे से सुरक्षति रह सकें।

4 कुछ ऐसे यंत्रों का प्रयोग किया जा सकता है, जो पर्यावरण संबंधी आवाजों के स्त्रोत होते हैं। इस तरह की चीजें कानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होती हैं।

5 कई बार दवाईयों के साइड इफेट्स के रूप में टिनिटस की समस्या सामने आती है। इसलिए दवाईयों को डॉक्टरी परामर्शानुसार बदलते रहें।